TNF TODAY
tnftoday tnftoday
टीएनएफ टुडे
थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे





Trial Edition
खुशियां हुई राख : दुकान में लगी भीषण आग... (पेज-3)
पृष्ठ- 8 वर्ष-01 अंक-डमी मूल्य 7/- रविवार दिनांक- 08.11.2026

अयोध्या में दीपोत्सवः 30 लाख दीपों की रोशनी की साक्षी बनी रामनगरी

बना नया रिकॉर्ड, हुआ श्रीराम का राज्याभिषेक; उपराष्ट्रपति, सीएम, राज्यपाल व संतों ने किया राजतिलक

एजेंसी, अयोध्या।

रामनगरी शनिवार को एक बार फिर इतिहास की साक्षी बनी। अवसर था दीपोत्सव का, जब भक्ति, आस्था, संस्कृति और उल्लास के अद्भुत संगम ने पूरी अयोध्या को उत्सव के रंग में रंग दिया। सुबह साकेत महाविद्यालय से निकली श्रीराम राज्याभिषेक शोभायात्रा से शुरू हुआ उत्सव देर शाम तक 30 लाख दीपों की रोशनी, सरयू की महाआरती, ड्रोन शो और आतिशबाजी के बीच अपने चरम पर पहुंचा। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की मौजूदगी ने आयोजन को ऐतिहासिक बना दिया।



उपराष्ट्रपति, सीएम, राज्यपाल व संतों ने किया राजतिलक

इसी बीच उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन का आगमन हुआ और रामकथा पार्क में श्रीराम के राज्याभिषेक की प्रक्रिया शुरू हुई। रामचरितमानस की चौपाई "प्रथम तिलक वशिष्ठ मुनि कीन्हा, पुनि सब बिप्रन्ह आयसु दीन्हा। सुत बिलोकि हरषीं महतारी, बार बार आरती उतारी...", मानो मंच पर साकार हो उठी। सबसे पहले उपराष्ट्रपति ने प्रभु श्रीराम का राजतिलक किया। इसके बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने तिलक कर आरती उतारी। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक सहित मंत्रिमंडल के अन्य सहयोगियों और रामनगरी के प्रमुख संतों ने भी बारी-बारी से राम दरबार की आरती की।

दीपोत्सव का शुभारंभ सुबह 10 बजे साकेत महाविद्यालय से श्रीराम राज्याभिषेक शोभायात्रा के साथ हुआ। करीब तीन किलोमीटर की दूरी तय कर शोभायात्रा रामकथा पार्क पहुंची। इसमें प्रदेश सरकार की उपलब्धियों को दशार्ती 14 झांकियों के साथ रामायण के सातों कांडों पर आधारित झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। 14 राज्यों के 500 से अधिक कलाकारों ने अपनी-अपनी लोकसंस्कृतियों और परंपराओं की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं।

शोभायात्रा जैसे ही साकेत महाविद्यालय से आगे बढ़ी, रामनगरी की सड़कें आस्था और उल्लास से भर उठीं। जगह-जगह खड़े अयोध्यावासियों ने पुष्पवर्षा कर कलाकारों का स्वागत किया। कहीं जय श्रीराम के जयघोष गूंज रहे थे तो कहीं लोग मोबाइल में इस ऐतिहासिक पल को कैद करने में जुटे थे। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में उत्साह देखते ही बन रहा था।

श्रीराम की अगवानी करने हैलीपैड से पहुंचे सीएम योगी

दोपहर करीब ढाई बजे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रामकथा पार्क पहुंचे। इसके बाद वह उपराष्ट्रपति और राज्यपाल के साथ राम मंदिर पहुंचे। यहां तीनों अतिथियों ने रामलला की आरती उतारी और दीप प्रज्वलित कर प्रतीकात्मक रूप से दीपोत्सव का शुभारंभ किया। राम मंदिर में दर्शन-पूजन के बाद सभी रामकथा पार्क पहुंचे। यहां हेलीकॉप्टर से पहुंचे भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न और हनुमान के स्वरूपों का विधिविधान से पूजन-अर्चन किया गया। रामकथा पार्क में सजे रामदरबार के मंच पर उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भगवान श्रीराम का प्रतीकात्मक राज्याभिषेक किया। राजतिलक के साथ ही रामनगरी में दीपोत्सव की भव्यता अपने चरम पर पहुंच गई। घाटों और मंदिरों सहित अयोध्या के विभिन्न हिस्सों में 30 लाख दीपों की रोशनी फैलने लगी। इसके बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उपराष्ट्रपति के साथ राम की पैड़ी पहुंचे। यहां 2100 से अधिक लोगों ने एक साथ सरयू की महाआरती की। मंत्रोच्चार, शंखनाद और दीपों की कतारों के बीच सरयू का तट अलौकिक दृश्य प्रस्तुत कर रहा था। इसके बाद आसमान में सजे ड्रोन शो, लेजर शो और आतिशबाजी ने उत्सव की भव्यता को और बढ़ा दिया। रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगाते आसमान और दीपों से दमकती रामनगरी ने एक बार फिर दुनिया को अयोध्या की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक ही बन रहा था।

विशेष सुरक्षा घेरे में रही रामनगरी, चप्पे-चप्पे पर रहा पहरा

दीपोत्सव के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उप राष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णनन के आगमन को लेकर रामनगरी अभेद्य सुरक्षा घेरे में रही। पूरी व्यवस्था को 20 जोन और 53 सेक्टर में बांटकर पुलिस अधिकारियों और मजिस्ट्रेटों को जिम्मेदारी सौंपी गई थी। शहर के प्रमुख मार्गों, संवेदनशील स्थलों, घाटों और आयोजन स्थल पर चप्पे-चप्पे पर सुरक्षाकर्मियों का पहरा रहा। दीपोत्सव में उपराष्ट्रपति के आगमन को लेकर सुरक्षा और कड़ी कर दी गई थी। एयरपोर्ट से लेकर अयोध्या धाम तक हाईवे पर भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित कर दिया गया था। फ्लीट गुजरने के दौरान वाहनों का आवागमन हाईवे पर रोक दिया गया। प्रत्येक 100 मीटर की दूरी पर जवान तैनात किए गए थे। हाईवे व कार्यक्रम स्थलों के पास के भवनों और मकानों पर सशस्त्र जवान तैनात किए गए थे। सुरक्षा व्यवस्था में स्थानीय पुलिस के साथ अर्धसैनिक बलों और कमांडो की तैनाती की गई थी। रामकथा पार्क, राम की पैड़ी, नया घाट, रामजन्मभूमि मार्ग और विशिष्ट अतिथियों के आवागमन वाले रास्तों पर विशेष सतर्कता बरती गई। पूरे शहर की निगरानी आधुनिक तकनीक के जरिये भी की गई। विभिन्न स्थानों पर लगाए गए सीसीटीवी कैमरों से गतिविधियों पर नजर रखी गई, जबकि ड्रोन कैमरों के माध्यम से भी निगरानी की व्यवस्था रही। पुलिस नियंत्रण कक्ष से सुरक्षा व्यवस्था पर नजर रखी गई।

काले कपड़ों वालों पर रही नजर

दीपोत्सव के दौरान राम की पैड़ी की तरफ काले कपड़े पहनकर जाने वालों पर सुरक्षाकर्मियों की विशेष नजर रही। कई लोगों को अशांति फैलाने की आशंका में बाहर से ही लौटा दिया गया। शनिवार होने के कारण बहुत से लोगों के काला कपड़ा पहनकर जाने से सुरक्षाकर्मी भी असहज स्थिति में आ गए।

अवकाश सूचना

सुधि पठाको, विज्ञापन दाताओं और सहयोगियों/कर्मचारियों, आप सभी को सूचित किया जाता है कि 8 एवं 9 नवम्बर 2026 को दीपावली पर्व के उपलक्ष्य में कार्यालय में पूर्ण अवकाश रहेगा। इस दौरान संस्थान के सभी प्रशासनिक और सामान्य कार्य बंद रहेंगे। जिससे हमारा अगला अंक आपको 11 नवम्बर 2026 को प्राप्त होगा।

-संपादक

लालकृष्ण आडवाणी का जन्मदिनः भाजपा मुख्यालय में होगा कार्यक्रम

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी के 100वें जन्मदिन के मौके पर पार्टी रविवार को विशेष कार्यक्रम आयोजित करेगी। यह कार्यक्रम पार्टी मुख्यालय में होगा। आडवाणी का जन्म 8 नवंबर 1927 को हुआ था। रविवार को वह 99 साल के हो जाएंगे। इसके साथ ही वह अपने जीवन के 100वें वर्ष में प्रवेश करेंगे। भाजपा ने एक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी। पार्टी ने कहा, भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व उप प्रधानमंत्री, भारत रत्न लालकृष्ण आडवाणी के 100वें जन्मदिन के अवसर पर भाजपा के केंद्रीय कार्यालय में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन भी मौजूद रहेंगे। भाजपा ने कहा कि यह कार्यक्रम दिवाली के शुभ अवसर पर आयोजित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य आडवाणी के प्रेरणादायक जीवन को याद करना है।

कुछ लोग अयोध्या आना चाहते हैं, वो पहले संतों माफी मांग लें : योगी

एजेंसी, अयोध्या।

दीपोत्सव के मौके पर अयोध्या पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंच से अयोध्या की भव्यता और त्रेतायुग की स्मृतियों का स्मरण करते हुए कहा कि आज की अयोध्या उसी त्रेतायुग की याद दिलाती है, जब 14 वर्ष का वनवास पूरा कर प्रभु श्रीराम, माता जानकी, अनुज लक्ष्मण और पवनसुत हनुमान के साथ अयोध्या लौटे थे।

उन्होंने गोस्वामी तुलसीदास की चौपाई 'अवधपुरी अति रुचिर बनाई, देवन्ह सुमन बृष्टि नभ लाई' का उल्लेख करते हुए कहा कि आज अयोध्या में बिल्कुल वैसा ही अलौकिक दृश्य दिखाई दे रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के करकमलों से रामलला के विराजमान होने के समय भी आसमान से पुष्पवर्षा का ऐसा ही दिव्य दृश्य देखने को मिला था।

अखिलेश यादव पर हमला

सीएम योगी ने बिना नाम लिए अखिलेश यादव पर हमला करते हुए कहा कि सुनने में आया है कि कुछ लोग अयोध्या आना चाहते हैं। लेकिन अयोध्या आने से पहले वह साधु संतों से माफी मांग लें। यह वही लोग हैं जिन्होंने कारसेवकों पर गोली चलवाई थीं।

अयोध्या में अब न कभी कर्फ्यू लगेगा, और न कोई दंगा करने का साहस कर पाएगा

कड़े तेवर और स्पष्ट संदेश देते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घोषणा की कि



अब अयोध्या कभी कर्फ्यू के दायरे में नहीं आएगी। यहाँ कोई भी असामाजिक तत्व दंगा-फसाद करने का दुस्साहस नहीं कर सकेगा। अयोध्या को अब कोई उपेक्षित नहीं कर सकता और न ही यहाँ के संतों का अपमान करने या रामभक्तों पर गोली चलाने का पुराना दौर दोबारा लौट सकता है। उन्होंने कहा कि इसी संकल्प और संदेश को दोहराने के लिए वे आज दीपोत्सव के मंच पर उपस्थित हैं।

25 हजार दीपों से शुरू हुआ दीपोत्सव 30 लाख तक पहुंचा

दीपोत्सव की ऐतिहासिक उपलब्धि का जिक्र करते हुए सीएम योगी ने बताया कि मात्र 25 हजार दीपों से शुरू हुआ यह पावन आयोजन आज 25 लाख की सीमा पार कर चुका है। महामहिम राष्ट्रपति के करकमलों से दीप प्रज्वलन के पश्चात अयोध्या धाम में कुल 30 लाख दीप प्रज्वलित किए गए हैं, जो पूरी दुनिया को भगवान राम के प्रकाश से आलोकित कर रहे हैं।

उन्होंने राष्ट्रपति की व्यस्तताओं के बावजूद दीपोत्सव-2026 में सहभागिता करने पर उनका आभार व्यक्त किया। साथ ही, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, पूज्य संतों और अन्य विशिष्ट अतिथियों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन किया।

प्रभु श्रीराम भारत राष्ट्र के प्राण और आत्मसम्मान हैं

मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या की यह पावन शक्ति और श्रीराम की चेतना ही वास्तव में भारत की असली चेतना है। यही हमारी संस्कृति और संस्कार हैं। प्रभु श्रीराम केवल हमारी आस्था ही नहीं, बल्कि भारत राष्ट्र के प्राण और हर भारतीय का सर्वोच्च आत्मसम्मान हैं। उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की कि वे प्रभु के नाम का स्मरण करते हुए 'रामराज्य' की अवधारणा को वास्तविक रूप से साकार करने में अपना योगदान दें।

12 दिसंबर को परिवार के साथ जाएंगे अखिलेश

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव 12 दिसंबर को परिवार के साथ अयोध्या जाएंगे। यहां वह राम मंदिर में रामलला के दर्शन करेंगे। सपा नेता और पूर्व मंत्री पवन पांडे ने अखिलेश यादव के अयोध्या दौरे की तारीख की जानकारी दी। पवन पांडे के मुताबिक, अखिलेश यादव के साथ उनकी पत्नी डिंपल यादव, बेटा और बेटी भी अयोध्या पहुंचेंगे।

उन्होंने बताया कि सपा प्रमुख का यह दौरा पूरी तरह धार्मिक होगा। अखिलेश यादव अयोध्या में पूरा दिन बिताएंगे। राम मंदिर में रामलला के दर्शन के बाद वह हनुमानगढ़ी भी जाएंगे। इस दौरान अखिलेश यादव साधु-संतों और महंतों से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद लेंगे। पवन पांडे ने बताया कि सपा प्रमुख संतों के साथ प्रसाद भी ग्रहण करेंगे।

साधु-संतों से भी मिलेंगे अखिलेश

पूर्व मंत्री पवन पांडे ने बताया कि अखिलेश यादव अयोध्या प्रवास के दौरान साधु-संतों और महंतों से भी मुलाकात करेंगे। वह अलग-अलग मठों में जाकर संतों का आशीर्वाद ले सकते हैं और उनके साथ प्रसाद ग्रहण करेंगे। इस तरह उनका पूरा दिन धार्मिक कार्यक्रमों के बीच बीतेगा। पवन पांडे ने बातचीत में राम मंदिर में चोरी का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव रामलला और हनुमान जी से प्रार्थना करेंगे। साथ ही मंदिर में चोरी करने वालों के खिलाफ न्याय की विनती करेंगे।

प्राण प्रतिष्ठा के बाद पहली बार रामलला के दर्शन करेंगे अखिलेश

22 जनवरी 2024 को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद यह पहला मौका होगा, जब सपा प्रमुख अखिलेश यादव राम मंदिर पहुंचकर रामलला के दर्शन करेंगे। इससे पहले भाजपा के नेता रामलला के दर्शन नहीं करने को लेकर अखिलेश यादव पर लगातार निशाना साधते रहे हैं। ऐसे में 12 दिसंबर को प्रस्तावित उनका अयोध्या दौरा सियासी लिहाज से भी चर्चा में रहेगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों को दिवाली की शुभकामनाएं दीं

एजेंसी, नई दिल्ली।

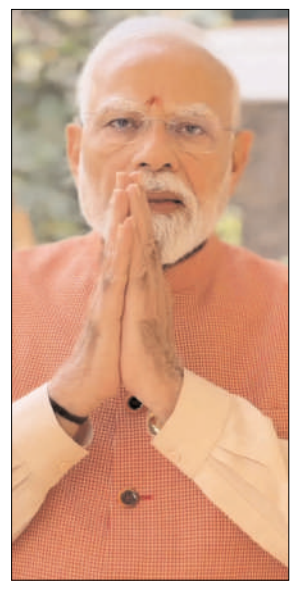
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को दीपावली के पावन पर्व की शुभकामनाएं दी हैं। सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक वीडियो में पीएम मोदी ने कहा- दीपावली का पावन पर्व पूरा देश रोशनी से जगमगा रहा है। उन्होंने आगे कहा- प्रकाश का यह पर्व अंधकार के खिलाफ हमारे संकल्प का परिचय है। आप सबको दिपावली की मेरी बहुत-बहुत शुभकामनाएं। आपका ये पर्व, आपका आगे का समय सब कुछ सुख, शांति और समृद्धि से भरा हुआ रहे।

किनके बीच दिवाली मनाएंगे पीएम मोदी?

पीएम मोदी ने अपने वीडियो संदेश में आगे कहा- मैं भी आपकी तरह बड़े उत्साह से दीपावाली मनाता हूं। हर वर्ष आप जानते हैं देश के वीर जवानों के बीच में जाना मेरा नित्य क्रम है, इस बार भी जारी रहेगा। आप सबको दीपावली की बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

पीएम मोदी ने उपराष्ट्रपति भवन में की पूजा-अर्चना

इससे पहले पीएम मोदी ने उपराष्ट्रपति भवन में दिवाली मनाई। इस दौरान उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने धार्मिक अनुष्ठान के दौरान प्रधानमंत्री मोदी के माथे पर तिलक लगाया। दोनों नेताओं ने इस मौके पर साथ में तस्वीर भी खिंचवाई। उपराष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री



को स्मृति चिह्न भी भेंट किया। पीएम मोदी ने इस दौरान की तस्वीरों को सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में साझा किया है। पीएम मोदी ने पोस्ट में लिखा- उपराष्ट्रपति थिरु सीपी राधाकृष्णन जी से मुलाकात की और दिवाली की शुभकामनाओं का आदान-प्रदान किया।

अयोध्या दीपोत्सव की तैयारी

अयोध्या दीपोत्सव 2026 शनिवार को आयोजित हुआ। यह भव्य रोशनी के त्योहार की 10वीं वर्षगांठ है। आयोजकों का लक्ष्य 56 घाटों पर दीये जलाना है। इनमें राम की पैड़ी और सरयू नदी के किनारे मुख्य केंद्र शामिल हैं। आयोजक 30 से 33 लाख मिट्टी के दीये जलाने का लक्ष्य रख रहे हैं।

भाजपा अध्यक्ष नवीन ने राहुल-अखिलेश को घेरा

'सिर्फ परिवार की चिंता कर रहे दोनों युवराज'

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने सोमवार को कई अहम राजनीतिक मुद्दों पर अपनी बात रखी। विपक्षी नेताओं राहुल गांधी और अखिलेश यादव पर निशाना साधा। उन्होंने राहुल गांधी को देश में अराजकता फैलाने का टूलकिट बताया। अखिलेश यादव को माफियाओं का शागिर्द कहा। समाचार एजेंसी आईएएनएस के साथ एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा, उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले में भाजपा के प्रति लोगों के मन में भरोसा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जिस प्रकार से नेतृत्व मिला है और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जिस प्रकार से केंद्र की योजनाओं को लागू को करने के साथ-साथ राज्य में भी कानून-व्यवस्था को एक नए आयाम पर ले गए, उसने जनता को एक भरोसे की सरकार दी है। नवीन ने कहा, मेरा ये मानना है कि वो विश्वास जनता के बीच में दिख रहा है। यही कारण है कि जनता का वो समर्थन हमें सड़कों पर भी दिख रहा है।



सपा और कांग्रेस के गठबंधन की अटकलों पर क्या कहा?

समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस के बीच गठबंधन की चर्चा को लेकर नवीन ने कहा, पहले भी ये लोग अपनी जुगलबंदी से आए हैं, लेकिन उस जुगलबंदी पर जनता का भरोसा नहीं है। जनता को मालूम है कि ये दो तथाकथित युवराज केवल अपनी चिंता में हैं। अपने परिवार की चिंता में हैं। 'इनको उत्तर प्रदेश की जनता से कोई लेना देना नहीं है। इनके साहेबजादे लोगों को भी मौका मिला तो तब भी इन्होंने केवल अपनी चिंता की। उत्तर प्रदेश के युवा, किसान, महिलाएं और मजदूर वर्ग को मालूम है कि ये जनता के लिए नहीं, बल्कि खुद के परिवार के लिए बने हुए लोग हैं'।

'संसद में बिना रुकावट हो पीएम मोदी और राहुल की बहस'

एजेंसी, नई दिल्ली।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बहस की चुनौती दी है। इस बीच राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने शनिवार को प्रस्ताव रखा कि दोनों नेताओं को संसद में अहम मुद्दों पर बिना किसी रुकावट के, सीधे सवाल-जवाब करने चाहिए।

सिब्बल ने गृह मंत्री अमित शाह से उनके रुख में आए बदलाव पर भी सवाल उठाया। पिछले साल दिसंबर में संसद में उन्होंने कहा था कि मतदाता सूची के 'स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन' (एसआईआर) पर दोनों सदनों में बहस नहीं हो सकती, जबकि गुरुवार को उन्होंने कहा कि सरकार एसआईआर पर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने को तैयार है।

कपिल सिब्बल ने क्या कहा?

एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में सिब्बल ने कहा, 'गृह मंत्री ने संसद में 'स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन' (एसआईआर) को लेकर एक अजीब बयान दिया था। जब विपक्ष ने एसआईआर पर संसदीय बहस की मांग की, तो गृह मंत्री ने पूछा कि संसद में इस पर चर्चा क्यों होनी चाहिए? उन्होंने दावा किया कि यह पूरी तरह से चुनाव आयोग का मामला है, जिससे सरकार का कोई लेना-देना नहीं है।'

सिब्बल ने क्या सवाल पूछा?

उन्होंने आगे पूछा, 'लेकिन हाल ही में उन्होंने कहा कि अगर राहुल गांधी बहस करना चाहते हैं, तो उन्हें विशेष सत्र बुलाने के लिए



प्रधानमंत्री को पत्र लिखना चाहिए। अचानक रुख में यह बदलाव क्यों? अगर अब आप सत्र बुलाने के लिए तैयार हैं, तो क्या इसका मतलब यह है कि एसआईआर वास्तव में आपकी ही जिम्मेदारी है?' संसद सदस्य के रूप में, सिब्बल ने सुझाव दिया कि प्रधानमंत्री और विपक्ष के नेता को आमने-सामने बैठाया जाए, और इस दौरान किसी अन्य सदस्य को बोलने या बीच में दखल देने की अनुमति न हो।

क्या संसदीय बहसों को कैसे नियंत्रित किया जाता?

वे आगे कहते हैं, 'हम जानते हैं कि संसदीय बहसों को कैसे नियंत्रित किया जाता है। माइक म्यूट कर दिए जाते हैं, विपक्ष के नेताओं को बीच में रोका जाता है, और उनकी आवाज दबा दी जाती है। अगर सरकार एसआईआर पर बहस करना चाहती है, तो गृह मंत्री को पहले रिकॉर्ड पर यह स्वीकार करना चाहिए कि इसके लिए सरकार जिम्मेदार है।' सिब्बल ने कहा कि इस बहस को एक और ऐतिहासिक घटना बनना चाहिए। गांधी लगातार मोदी को अपने साथ खुली बहस करने की चुनौती दे रहे हैं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने गारंटी दी है कि पांच मिनट में ही यह साबित हो जाएगा कि प्रधानमंत्री देशद्रोही हैं।

उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री विपक्ष के नेता से सवाल पूछें, और विपक्ष के नेता प्रधानमंत्री से सवाल पूछें। यह बातचीत तब तक चलनी चाहिए जब तक जरूरी हो। 12 वर्षों में पहली बार, इससे प्रधानमंत्री को सवालों के जवाब देने का मौका मिलेगा। यह एक ऐतिहासिक मिसाल होगी, क्योंकि दुनिया के इतिहास में ऐसा कहीं नहीं हुआ है कि सरकार के किसी प्रमुख ने 12 वर्षों तक सदन में सवालों के जवाब देने से परहेज किया हो।'

उन्होंने कहा, 'मैं गृह मंत्री से पूछना चाहता हूं। जब विपक्ष ने एसआईआर पर बहस की मांग की थी, तब सदन में आपका क्या रुख था? आपने देश को बताया था कि इसमें सरकार की कोई भूमिका नहीं है क्योंकि यह चुनाव आयोग का मामला है। अब अचानक आपका विचार कैसे बदल गया?'

हिम्मत है तो हमारे ऊपर बुलडोजर चलाओः ममता

कोलकाता। कोलकाता के दक्षिण इलाके में स्थित कालीघाट से एक बड़ी खबर आ रही है, जहां शनिवार तड़के 2:00 बजे तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी के आवास पर हमला हुआ। जिस वक्त यह घटना घटी, उस समय पार्टी कार्यकर्ता उनका 39वां जन्मदिन मनाने की तैयारी कर रहे थे। इसी दौरान भाजपा और टीएमसी समर्थकों के बीच जमकर झड़प हो गई। अभिषेक बनर्जी ने आरोप लगाया कि भाजपा के गुंडों ने दो दिनों तक रेकी करने के बाद उनके घर और दफ्तर को निशाना बनाया। उन्होंने यह भी दावा किया कि पिछले छह महीनों में उनकी जान लेने की यह सातवीं कोशिश है। इस घटना की जानकारी मिलते ही पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सुबह-सुबह कालीघाट पहुंचीं और धरने पर बैठ गईं। ममता बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए सीधे तौर पर गुंडागर्दी का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि दीवाली जैसे पवित्र त्योहार से ठीक पहले जानबूझकर माहौल बिगाड़ने की साजिश रची जा रही है।

दीपावली पर नगर निगम रहेगा मुस्तेद-चप्पे चप्पे पर नगर निगम की रहेगी नजर-दीपावली को लेकर नगर आयुक्त ने परखी व्यवस्थाएं

जगमगाती रोशनी से रोशन-सफाई से गुलजार होगा शहर-चाक चौबंद इंतिजाम का नगर आयुक्त व महापौर का वादा

टीएनएफ टुडे, अलीगढ़।

दीपावली के अवसर पर नगर निगम की व्यवस्थाओं को चाक चौबंद तरीके से करने के लिए प्रयासरत महापौर प्रशान्त सिंघल व नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा नगर निगम इंतिजामों को पिछले साल से और चाक चौबंद बनाने का वादा करते हुये कहा नगर निगम स्ट्रीट लाइट व सफाई से गुलजार होगा दीपावली का त्यौहार।

दीपावली पर बेहतर से बेहतर व्यवस्थाओं को कराने के लिये नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा निरीक्षण करते हुए ने अधीनस्थों के दायित्व निर्धारित करते हुए नगर निगम की एडवाइजरी जारी की है।

नगर आयुक्त ने बताया कि नगरीय क्षेत्र में दीपावली पर नगर निगम इंतजामों, पुलिस व जिला प्रशासन के सहयोग और समन्वय को देखते हुए सभी थाना वाइज व्यवस्थाओं के लिए नगर निगम के 4 सेक्टर बनाए गए हैं। प्रत्येक सेक्टर में एक वरिष्ठ अधिकारी को सेक्टर प्रभारी नामित किया गया



है।

4 सेक्टर व्यवस्था

सेक्टर-1 सिविल लाइन /क़्वार्सी थाना अंतर्गत क्षेत्र मे जोनल प्रभारी सहायक नगर आयुक्त तपस्या यादव मोबाइल नंबर 8052937139 होंगी

सेक्टर-2 क़्वार्सी थाना / महुआ खेड़ा तथा गांधी पार्क अंतर्गत क्षेत्र मे जोनल कर अधीक्षक मंयक चौधरी 9457042323 होंगे

सेक्टर-3 थाना सासनी गेट/थाना कोतवाली अंतर्गत क्षेत्र मे जोनल प्रभारी कर निर्धारण अधिकारी आशिष कुमार सेठ 9818784461 होंगे

सेक्टर-4 थाना देहली गेट/रोरावर अंतर्गत क्षेत्र मे जोनल प्रभारी सहायक नगर आयुक्त परितोष मिश्रा 9198383047 होंगे

नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने माननीय मुख्यमंत्री जी के मार्गदर्शन में दीपावली के अवसर पर गत वर्षों की भांति इस वर्ष भव्य व उत्तम व्यवस्थाएं कराये जाने का प्रयास किया जा रहा है उक्त सेक्टर व्यवस्था के साथ साथ मुख्य अभियन्ता प्रभारी महाप्रबंधक जल, प्रभारी यांत्रिक, प्रभारी नगर स्वास्थ्य अधिकारी, पशु कल्याण अधिकारी, प्रभारी कंट्रोल रूम, प्रवर्तन प्रभारी सभी जोनल अधिकारियों को भी दायित्व निर्धारित करते हुये फिल्ड में मुस्तैद रहने की हिदायत दी गयी है।

पेयजलापूर्ति

दीपावली पर नियमित पेयजल आपूर्ति व किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिये जलकल प्रागंण में पर्याप्त 40 पेयजल टैंकर भी



रखवाये वहॉ प्रमुख मार्गो पर टैंकर खड़े किये जायेगें।

सफाई व्यवस्था

उन्होंने बताया दीपावली 8 स्वच्छता निरीक्षक के नेतृत्व में अर्बन कम्पनी व 100 सफाई कर्मचारियों की नाइट स्वपिंग गैंग तैयार की गई है जिनके साथ 5 मैकेनिकल लोडर 100 टाटा टिपर 40 फागिंग 20 स्पें मशीन साथ रहेंगी। नगर निगम का प्रयास दीपावली को देखते हुए रात में शहर के सभी प्रमुख स्थानों और मुख्य मुख्य बाजारों से कूड़ा उठाने का रहेगा इसलिए दुकानदारों से अपील की जाती है की दुकान बंद करते समय अपनी दुकान और प्रतिष्ठान का कूड़ा रात में ही बाहर निकाले व रात में ही सफाई करें।

लाइट व्यवस्था

उन्होनें बताया कि उन्होनें बताया दीपावली पर सभी धार्मिक स्थलों, प्रमुख बाजारों, मुख्य-मुख्य मार्गो पर प्रकाश बिन्दुओं को प्रयोज्जलित करने के लिये अधीनस्थों को सख्त हिदायत दी गयी है। सभी प्रमुख बाजारो, मार्गो व शासकीय भवनों व पार्को में सजावटी लाइट लगवाई गयी है।

एक्टिव रहेगा कंट्रोल रूम

उन्होंने बताया दीपावली को ध्यान में रखते हुए कल्याण सिंह हैबिटेट सेंटर स्थित नगर निगम कंट्रोल रूम को लगातार कार्यशील रखा गया है शिकायतों के लिये 1533 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

अनहोनी पर भी मुस्तैद रहेगा नगर निगम

उन्होंने बताया दीपावली पर पटाखों से होने वाली अनहोनी एवं किसी भी अप्रिय घटना को ध्यान में रखते हुए नगर निगम द्वारा फायर ब्रिगेड विभाग से समन्वय स्थापित करते हुए संवेदनशील प्वाइंटों पर पानी के टैंकर व सीवर जैटिंग मशीनों को भी खड़ा कराया गया है।

पशुओं व ट्रैफिक की होगी रोकथाम

इसके साथ-साथ चौराहों पर ट्रैफिक मैनेजमेंट और किसी भी प्रकार के आवारा पशुओं के कारण दुर्घटना को रोकने की दृष्टिगत 4 सेक्टर में 4 कैटल कैचर और 2 ट्रैफिक क्रेन को मूवमेंट पर लगाया गया है। पशुपालकों को हिदायत दी गई है खुले में पशु विचरण करते हुए पाए जाने पर पशु को पकड़ने के साथ ही पशुपालक पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

महापौर प्रशान्त सिंघल ने दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दीपों के इस उत्सव को आपसी प्रेम व सौहार्द के साथ मनाए स्वच्छता को अपनी आदत बनाने के लिए इस दीपावली एक दीप स्वच्छता के नाम जरूर जलाए अपने घर की भांति अपने शहर को स्वच्छ व सुंदर बनने का संकल्प लें।

फिरोजाबाद में सजेगा एथलेटिक्स का मैदान, अंडर-6 से अंडर-18 तक के खिलाड़ी दिखाएंगे दमखम

टीएनएफ टुडे, फिरोजाबाद।

जनपद की खेल प्रतिभाओं को निखारने और बच्चों को मोबाइल व सोशल मीडिया की दुनिया से निकालकर खेल मैदान से जोड़ने के उद्देश्य से डिस्ट्रिक्ट एथलेटिक्स एसोसिएशन फिरोजाबाद द्वारा सेठ एमआर जयपुरिया स्कूल शिकोहाबाद के सहयोग से तृतीय जिला जूनियर एथलेटिक्स मीट एवं अंतर विद्यालयीय-अंतरमहाविद्यालयीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता 2026 का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता में अंडर-6 से अंडर-18 आयु वर्ग तक के बालक-बालिकाएं विभिन्न खेल स्पधाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

आयोजन को लेकर जिला एथलेटिक्स एसोसिएशन के अध्यक्ष रामपाल सिंह और सचिव श्यामवीर के नेतृत्व में तैयारियां की जा रही हैं। प्रतियोगिता में सेठ एमआर जयपुरिया स्कूल की प्रधानाचार्य एवं आयोजन सचिव एकता शर्मा, डायरेक्टर गीता यादव तथा स्पोर्ट्स टीचर विजय यादव की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी।

एसोसिएशन के अध्यक्ष रामपाल सिंह ने कहा कि खेल बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। खेलों से बच्चों में अनुशासन, आत्मविश्वास, सहनशीलता और प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होती है। ऐसे आयोजनों से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में छिपी खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा।

एसोसिएशन के सचिव श्यामवीर ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्देश्य केवल पदक वितरण करना नहीं, बल्कि कम उम्र में ही प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान कर उन्हें आगे की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करना है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि फिरोजाबाद के मैदानों से ऐसे खिलाड़ी तैयार हों, जो राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जनपद व देश का नाम रोशन करें। वर्ष 2036 ओलंपिक में भारत के लिए पदक जीतने वाले खिलाड़ियों की तैयारी की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

उन्होंने बताया कि प्रत्येक प्रतिभागी को सहभागिता प्रमाण-पत्र दिया जाएगा, जबकि पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को मेडल और प्रमाण-पत्र प्रदान किए जाएंगे। कम से कम तीन इवेंट में भाग लेने वाले खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर एक सर्वश्रेष्ठ बालक और एक सर्वश्रेष्ठ बालिका का चयन कर उन्हें ओवरऑल एथलीट चैंपियनशिप के विशेष सम्मान से नवाजा जाएगा।

आयोजन सचिव एकता शर्मा ने जनपद के विद्यालयों के प्रबंधकों, प्रधानाचार्यों और खेल शिक्षकों से अधिक से अधिक बच्चों को प्रतियोगिता में प्रतिभाग कराने की अपील की।

मतदाता सूची में छूटे पात्र लोगों के नाम जुड़वाएं अधिकारी, महिलाओं और बालिकाओं के पंजीकरण पर विशेष जोर

डीएम संतोष कुमार शर्मा ने विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान की समीक्षा कर दिए निर्देश, स्कूल-कॉलेजों में गठित होंगे इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब

जनगणना में पहली बार मिलेगी स्व-गणना की सुविधा, गांव से शहर तक अभियान चलाकर नागरिकों को किया जाएगा जागरूक

टीएनएफ टुडे, फिरोजाबाद।



भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शों के क्रम में मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान को पारदर्शी, समावेशी और सर्वस्पर्शी बनाने के उद्देश्य से तहसील सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा की अध्यक्षता में हुई बैठक में पात्र नागरिकों का नाम मतदाता सूची में शामिल कराने और आगामी जनगणना के तहत पहली बार शुरू हो रही स्व-गणना प्रक्रिया के व्यापक प्रचार-प्रसार को लेकर अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने कहा कि 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके अथवा उससे अधिक आयु के प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में अनिवार्य रूप से दर्ज कराया जाए। विशेष रूप से महिलाओं और बालिकाओं के पंजीकरण पर ध्यान दिया जाए, ताकि कोई भी पात्र मतदाता अपने मताधिकार से वंचित न रहे। उन्होंने ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों में छूटे हुए मतदाताओं की पहचान कर उनका पंजीकरण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।

बैठक में बताया गया कि इस कार्य में बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग के अंतर्गत आंगनबाड़ी कार्यकताओं, स्वास्थ्य विभाग तथा विकासखंड स्तर पर तैनात फील्ड अधिकारियों और कर्मचारियों की जिम्मेदारी तय की गई है। मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यकता पड़ने पर विधानसभा मतदाता सूची का ग्राम पंचायत मतदाता सूची से मिलान भी कराया जाएगा, जिससे छूटे हुए पात्र मतदाताओं की पहचान कर उनके नाम जोड़े जा सकें।

डीएम ने निर्देश दिए कि कक्षा नौ से ऊपर के सभी माध्यमिक विद्यालयों, इंटर कॉलेजों, डिग्री कॉलेजों और अन्य शैक्षणिक संस्थानों में इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब (ईएलसी) का अनिवार्य रूप से गठन किया जाए। प्रत्येक क्लब में एक नोडल अधिकारी नामित किया जाएगा। विद्यार्थियों और युवाओं को निर्वाचन प्रक्रिया के प्रति जागरूक करने के लिए निबंध, वाद-विवाद, प्रश्नोत्तरी, स्लोगन लेखन और रंगोली प्रतियोगिताएं आयोजित कराई जाएं।

जिलाधिकारी ने कहा कि मतदाता सूची जितनी अधिक शुद्ध और समावेशी होगी, लोकतांत्रिक प्रक्रिया में नागरिकों की भागीदारी उतनी ही मजबूत होगी। सभी अधिकारी आपसी समन्वय के साथ अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करें, ताकि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में शामिल होने से छूटने न पाए।

पहली बार नागरिक स्वयं कर सकेंगे अपनी जनगणना

बैठक में आगामी जनगणना के व्यापक प्रचार-प्रसार और पहली बार शुरू की जा रही स्व-गणना (सेल्फ एन्यूमरेशन) प्रक्रिया पर भी चर्चा की गई। बताया गया कि मकानों की सूची बनाने के कार्य के बाद अब घर-घर जनगणना की प्रक्रिया शुरू की जानी है। इस बार नागरिकों को स्वयं अपनी और अपने परिवार की गणना करने का विकल्प उपलब्ध कराया गया है।

जिलाधिकारी ने कहा कि स्व-गणना एक महत्वपूर्ण डिजिटल पहल है, जिसके माध्यम से नागरिक स्वयं अपनी सही जानकारी दर्ज कर सकेंगे। इससे जनगणना के आंकड़ों की शुद्धता और गुणवत्ता बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

उन्होंने निर्देश दिए कि इस व्यवस्था की जानकारी गांव-गांव, शहर के प्रत्येक वार्ड और घर-घर तक पहुंचाई जाए, ताकि अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सकें।

उन्होंने कहा कि जनगणना के आंकड़े सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, विकास कार्यों की योजना बनाने और विभिन्न क्षेत्रों में आवश्यकताओं व कमियों की पहचान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसलिए नागरिकों को स्व-गणना की प्रक्रिया और उसके तरीकों की पूरी जानकारी दी जाए।

जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से अपील की कि वे इस डिजिटल पहल में बढ़-चढ़कर भाग लें और स्व-गणना के माध्यम से अपने परिवार की सही जानकारी दर्ज कराकर जनपद एवं देश के विकास में योगदान दें।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी शत्रोहन वैश्य, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) कल्पना जायसवाल, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राम बदन राम, डीएफओ भागेंद्र सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट विनोद कुमार पांडेय, उप जिलाधिकारी अंकित कुमार, अवधेश निगम और सुदर्शन कुमार सहित विभिन्न विभागों के जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

संपूर्ण समाधान दिवस में डीएम ने सुनीं फरियादियों की समस्याएं, 99 शिकायतों में 10 का मौके पर निस्तारण

महिलाओं से अभद्रता और गाली-गलौज की शिकायत पर एसएचओ मटसेना को कार्रवाई के निर्देश, सरकारी धन के दुरुपयोग के मामले में होगी उच्चस्तरीय जांच

टीएनएफ टुडे, फिरोजाबाद।



तहसील सदर के सभागार में शनिवार को जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा की अध्यक्षता में तहसील संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी शत्रोहन वैश्य सहित विभिन्न विभागों के जनपद स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे। समाधान दिवस में जिले के अलग-अलग क्षेत्रों से पहुंचे फरियादियों ने अपनी समस्याएं अधिकारियों के सामने रखीं। डीएम ने एक-एक शिकायत को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए।

संपूर्ण समाधान दिवस में कुल 99 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 10 का मौके पर ही निस्तारण करा दिया गया। शेष शिकायतों को समयबद्ध कार्रवाई के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को सौंपा गया।

महिलाओं से अभद्रता की शिकायत पर एसएचओ को कार्रवाई के निर्देश

ग्राम औकलाबास, हंसपुर थाना मटसेना निवासी प्रार्थिनी शीला और अन्य ग्रामीणों ने शिकायत की कि एक नशेड़ी प्रवृत्ति का व्यक्ति आए दिन महिलाओं के साथ अभद्रता करता है और गाली-गलौज कर झूठे मुकदमों में फंसाने की धमकी देता है। इससे मोहल्ले के लोगों का रहना मुश्किल हो गया है। डीएम ने मामले को गंभीरता से लेते हुए एसएचओ मटसेना को आवश्यक विधिक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

जलभराव से परेशान लोगों को जल्द मिलेगी राहत

वार्ड नंबर 19 नई आबादी, चंद्रवार गेट स्थित मोहल्ला मोहन नगर के निवासी देवप्रकाश वर्मा ने कच्ची गली में जलभराव की समस्या उठाई। उन्होंने बताया कि रास्ते में पानी भरने से राहगीरों और स्कूली बच्चों को आए दिन परेशानी का सामना करना पड़ता है तथा कई लोग चोटिल भी हो चुके हैं। इस पर जिलाधिकारी ने संबंधित विभाग और निर्माण खंड के अधिकारियों को मौके पर जाकर निरीक्षण करने तथा जल्द गली का निर्माण कराने के निर्देश दिए।

हैंडपंप मरम्मत के नाम पर सरकारी धन के भुगतान की जांच होगी

ग्राम लालऊ निवासी शिवम प्रताप सिंह ने ई-ग्राम स्वराज पोर्टल के साक्ष्यों के साथ शिकायत की कि हैंडपंप मरम्मत के नाम पर 19,800 रुपये की सरकारी धनराशि तत्कालीन अथवा वर्तमान ग्राम प्रधान द्वारा मजदूर के व्यक्तिगत बैंक खाते में हस्तांतरित की गई। मामले को गंभीरता से लेते हुए डीएम ने जिला पंचायत राज अधिकारी और संबंधित अधिकारियों को निष्पक्ष उच्चस्तरीय जांच कराने, दोषी पाए जाने वालों से धनराशि की वसूली तथा कठोर वैधानिक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

तीन साल बाद भी नहीं भरी गईं जल जीवन मिशन के लिए खोदी गई गलियां

ग्राम पंचायत बैंदी की प्रशासक वंशिका राज शर्मा ने शिकायत की कि एलएंडटी द्वारा जल जीवन मिशन के तहत पाइपलाइन डालने के लिए करीब तीन साल पहले गांव की गलियां खोदी गई थीं, लेकिन आज तक उनकी मरम्मत नहीं कराई गई। इससे ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी हो रही है। जिलाधिकारी ने जल निगम के अधिशासी अभियंता को नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सरकारी चकरोड से कब्जा हटवाकर रास्ता खुलवाने के निर्देश

ग्राम खगरई थाना नारखी निवासी प्रमोद कुमार ने मौजा गढ़ी छत्रपति में गाटा संख्या 163 स्थित सरकारी चकरोड पर मिट्टी डलवाने और विपक्षी पक्ष द्वारा रास्ता रोके जाने की शिकायत की। उन्होंने महिला पुलिस बल की सहायता से रास्ता सुगम कराने की मांग की। डीएम ने खंड विकास अधिकारी फिरोजाबाद को मामले में तत्काल आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही पर होगी कार्रवाई

जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने सभी विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि संपूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों का निस्तारण केवल कागजी औपचारिकता या भ्रामक आख्या के आधार पर न किया जाए। प्रत्येक शिकायत का स्थलीय सत्यापन कर पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण तरीके से समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि शिकायतों के निस्तारण में हीलाहवाली या लापरवाही मिलने पर संबंधित अधिकारी के विरुद्ध कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी शत्रोहन वैश्य, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राम बदन राम, डीएफओ भागेंद्र सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट विनोद कुमार पांडेय, उप जिलाधिकारी सुदर्शन कुमार, पुलिस क्षेत्राधिकारी सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

एम डी जैन इंटर कॉलेज में मनाया गया दीपावली मेला

सिरसागंज। नगर के प्रतिष्ठित विद्यालय श्री एम डी जैन इंटर कॉलेज, सिरसागंज में विद्यालय के प्रधानाचार्य नीरज कुमार जैन एवं प्रवक्ता अश्वनी कुमार जैन के संयोजन में दीपावली मेला का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय के प्राथमिक अनुभाग के मार्गदर्शन में बच्चों ने आकर्षक दीपकों को सजावट करके प्रदर्शित किया। नीरज कुमार जैन ने बच्चों को दीपावली की शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए बच्चों के कार्यों की भूरि भूरि प्रशंसा करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की

अश्वनी कुमार जैन ने सभी बच्चों के दीपकों में किए गए कार्य की सराहना करते हुए सभी को दीपावली की शुभकामनाएं प्रेषित कीं। सभी बच्चों के दीपकों का मूल्यांकन श्रीमती अंजली जैन, पारुल कुशवाह, साक्षी, किरन एवं सुप्रिया द्वारा किया गया।

TNF TODAY
टीएनएफ टुडे
थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे
tnftoday tnftoday
www.tnftoday.com / epaper

दीपोत्सवः 11 हजार दीपों से जगमगाए बटेश्वर के घाट, यमुना तट का दिखा ऐसा दृश्य

विदेशी मेहमान भी हो गए फिदा



टीएनएफ टुडे, आगरा।

छोटी दिवाली (नरक चतुर्दशी) पर्व पर तीर्थ नगरी बटेश्वर का कोना-कोना दीपों की रोशनी से जगमगा उठा। तीर्थ स्थल ट्रस्ट समिति के तत्वावधान में आयोजित भव्य दीपोत्सव के दौरान रानी घाट, गोरा कक्ष घाट और महादेव घाट पर 11 हजार दीप प्रज्ज्वलित किए गए, जिससे यमुना तट का नजारा देखते ही बन रहा था।

शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व कैबिनेट मंत्री अरिदमन सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इसके बाद रानी घाट, गोरा कक्ष घाट और महादेव घाट पर 11 हजार दीप जलाए गए। इस आयोजन के साक्षी बनने के लिए इंग्लैंड से विशेष तौर पर तीर्थ और मेला भ्रमण पर आए कैंथल और कैरल भी पहुंचे। उन्होंने भारतीय संस्कृति और इस भव्य दीपोत्सव की खूब प्रशंसा की। इस मौके पर संतोष गहलोत, सुनील बाबू, पुलकित भदौरिया, सोनू भदौरिया, बिट्टू भदौरिया, अजय भदौरिया, राजवीर सिंह राजावत, अलकेंद्र जादौन आदि रहे।

छात्राओं ने सजाईं रंगोलियां, किया हनुमान चालीसा पाठ

दीपोत्सव में केदारपुरा चौसिंगी (बाह) स्कूल की करीब 30 छात्राएं भी शामिल हुईं। छात्राओं ने घाटों पर रंगोलियां सजाईं और दीप जलाए। शिव तांडव और हनुमान चालीसा के पाठ की प्रस्तुति की।

दिवाली की खुशियां हुईं राखः दुकान में लगी भीषण आग, आंखों के सामने जल गया लाखों का सामान

आगरा। आगरा के खेरागढ़ कस्बे के सैंया रोड स्थित बाबूलाल कॉलोनी में शनिवार रात करीब आठ बजे बिजली के शॉर्ट सर्किट से इलेक्ट्रॉनिक रिपेयरिंग की दुकान में भीषण आग लग गई। आग की चपेट में आकर दुकान में रखा लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। सूचना पर पुलिस और अग्निशमन दल मौके पर पहुंच गया। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका।

पीड़ित श्याम सिंह अपने मकान में ही प्रिंटर, कंप्यूटर और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की रिपेयरिंग की दुकान चलाते हैं।



शनिवार रात करीब आठ बजे वह दुकान बंद कर घर पर थे। इसी दौरान बिजली के शॉर्ट सर्किट से दुकान में आग लग गई। दुकान से धुआं निकलता देख परिजनों को जानकारी हुई। दुकान खोलकर देखा तो आग विकराल रूप ले चुकी थी।

शोर सुनकर आसपास के ग्रामीण और परिजन भी मौके पर पहुंच गए। सूचना पर पुलिस और अग्निशमन दल ने पहुंचकर आग बुझाने का प्रयास किया। काफी देर की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। श्याम सिंह के भाई संजय तोमर ने बताया कि आग में एसी, फ्रिज, कंप्यूटर, लैपटॉप, प्रिंटर समेत अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान जलकर राख हो गया। दुकान में हुए भारी नुकसान से दुकान स्वामी श्याम सिंह का रो रोकर बुरा हाल है। दिवाली से ठीक पहले हुए इस हादसे ने परिवार की खुशियां फीकी कर दीं।

आगरा में रेलवे ट्रैक किनारे मिली युवक की लाश, मालगाड़ी से टकराकर मौत की आशंका, नहीं हो सकी शिनाख्त

टीएनएफ टुडे, आगरा।

आगरा के फतेहपुर सीकरी में शनिवार शाम रेलवे लाइन किनारे खंभा संख्या 46/15, फाटक संख्या 39 के पास एक युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। मौके पर आरपीएफ के एएसआई शिव नारायण यादव फोर्स के साथ पहुंच गए। जांच शुरू कर दी। साथ ही शव की शिनाख्त के भी प्रयास किए जा रहे हैं।

प्रारंभिक जांच में मालगाड़ी से टकराकर मौत होने की बात सामने आ रही है। हालांकि मौत के सही कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही चल सकेगा। मृतक की अभी शिनाख्त नहीं हो सकी है। पुलिस और आरपीएफ द्वारा मृतक की पहचान का प्रयास किया जा रहा है। आसपास के गांवों और क्षेत्र में भी मृतक के बारे में पूछताछ की जा रही है। फिलहाल रेलवे पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की तैयारी कर रही है।



संपूर्ण समाधान दिवस में 65 शिकायतें, सात का मौके पर निस्तारण

फतेहाबाद। तहसील फतेहाबाद के सभागार कक्ष में शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन एसडीएम फतेहाबाद स्वाति शर्मा की अध्यक्षता में आयोजन किया गया इस दौरान 65 शिकायतें प्राप्त हुई। मौके पर सात शिकायतों का निस्तारण किया गया। शेष शिकायतों को गुण दोष के आधार पर निस्तारण करने के निर्देश दिए हैं। वहीं सम्पूर्ण समाधान दिवस में मौहल्ला कछियात निवासी किसान चंदन सिंह ने शिकायत की कि बाह रोड स्थित देवेश की दुकान से 2 हेक्टेयर जमीन के लिए सुजान कंपनी का बीज खरीद कर बोया था। लेकिन बीच खराब होने के कारण हजारों रुपए का नुकसान हुआ है। वहीं अधिकारियों ने जांच करने के निर्देश दिए हैं। इस दौरान तहसीलदार फतेहाबाद शिखर मिश्रा, नायब तहसीलदार शुभ्रा अवस्थी सहित आदि अधिकारी मौजूद रहे।

कुत्तों के हमले से मोर घायल , ग्रामीणों ने बचाई जान



फतेहाबाद। तहसील फतेहाबाद क्षेत्र के गांव गुबरौठ में शनिवार को आवारा कुत्तों ने राष्ट्रीय पक्षी मोर पर हमला कर घायल कर दिया।तभी ग्रामीणों ने किसी तरह लाठी डंडों से कुत्तों से मोर को बचाया और वन विभाग को सौंप दिया। तहसील फतेहाबाद क्षेत्र के गांव गुबरौठ निवासी रामनरेश पुत्र श्रीभगवान ने बताया कि शनिवार दोपहर को गांव में एक राष्ट्रीय पक्षी मोर पर अचानक आवारा कुत्तों ने हमला कर दिया। तभी मोर की आवाज सुनकर व लाठी डंडे लेकर ग्रामीणों के साथ मौके पर पहुंचे और किसी तरह मोर को कुत्तों से बचाया और वन विभाग को सूचना दी जानकारी पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और अपने साथ उसे ले गई जहां उसका उपचार किया जा रहा है।

नाली के पानी को लेकर देवरानी-जेठानी में चले लाठी-डंडे, दोनों घायल

फतेहाबाद। थाना फतेहाबाद क्षेत्र के गांव बरना में शुक्रवार की शाम नाली के पानी को लेकर देवरानी-जेठानी में लाठी डंडे चले इस दौरान दोनों घायल हो गई पुलिस ने घायलों को मेडिकल के लिए भेजा गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना फतेहाबाद क्षेत्र के गांव बरना में नाली में चल रहे पानी के विवाद को लेकर जेठानी बेबी पत्नी श्यामवीर व देवरानी प्रियंका पत्नी धर्मेंद्र में गाली-गलौज होने लगी और दोनों में लाठी डंडे चलने लगे इस दौरान मारपीट में बेबी और प्रियंका घायल हो गई वहीं पुलिस ने घायलों को मेडिकल के लिए भेज दिया है पुलिस मामले की जांच कर रही है।

संपूर्ण समाधान दिवस में 65 शिकायतें, सात का मौके पर निस्तारण

फतेहाबाद। तहसील फतेहाबाद के सभागार कक्ष में शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन एसडीएम फतेहाबाद स्वाति शर्मा की अध्यक्षता में आयोजन किया गया इस दौरान 65 शिकायतें प्राप्त हुई। मौके पर सात शिकायतों का निस्तारण किया गया। शेष शिकायतों को गुण दोष के आधार पर निस्तारण करने के निर्देश दिए हैं। वहीं सम्पूर्ण समाधान दिवस में मौहल्ला कछियात निवासी किसान चंदन सिंह ने शिकायत की कि बाह रोड स्थित देवेश की दुकान से 2 हेक्टेयर जमीन के लिए सुजान कंपनी का बीज खरीद कर बोया था। लेकिन बीच खराब होने के कारण हजारों रुपए का नुकसान हुआ है। वहीं अधिकारियों ने जांच करने के निर्देश दिए हैं। इस दौरान तहसीलदार फतेहाबाद शिखर मिश्रा, नायब तहसीलदार शुभ्रा अवस्थी सहित आदि अधिकारी मौजूद रहे।

दूसरे दिन सुबह से देर रात तक एक्सप्रेसवे रहा जाम , घंटों टोल प्लाजा पर खड़े रहे वाहन

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

दीपावली के त्यौहार को लेकर आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे वाहनों के चलते जाम हो गया है जहां टोल प्लाजा 21 पर घंटे भर से अधिक वाहनों को रेंगते हुए चलना पड़ा। जहां दीपावली के त्यौहार को लेकर सभी लोग अपने-अपने घरों को जा रहे हैं जिसके चलते आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर वाहनों का आवागमन कई गुना बढ़ गया है जिसके चलते शुक्रवार को भी शाम से रात तक आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे के टोल प्लाजा 21 पर जाम लगा रहा वहीं दूसरे दिन शनिवार को भी सुबह से देर रात तक जाम होने के कारण दोपहर में करीब दो किलोमीटर तक जाम लग गया।

वाहनों को घंटे भर से अधिक इंतजार कर गुजरना पड़ रहा है जिसके चलते लोगों को काफी परेशानी हो रही है जहां लोगों से



बात करने पर बताया कि एक तो त्यौहार के चलते घर पहुंचने की जल्दी है वहीं आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर घंटे भर से अधिक समय से जाम में फंसे हुए हैं साथ में बच्चे वह महिलाएं होने के कारण परेशानी और बढ़ गई है पीने के लिए पानी तथा खान की व्यवस्था न होने के कारण लोग काफी परेशान दिखे जहां जानकारी पर थाना फतेहाबाद पुलिस सहित ट्रैफिक मौके पर पहुंची और वाहनों को व्यवस्थित कर दो अतिरिक्त लाइनों को चालू करा कर वाहनों को निकालने का प्रयास किया गया तब जाकर कुछ राहत मिली लेकिन देर रात तक टोल प्लाजा पर जाम की स्थिति बनी रही लोगों का कहना है कि सुबह 9:00 बजे के आसपास से ही टोल प्लाजा पर वाहनों का जाम लगना शुरू हो गया था और देर रात तक जारी रहा जहां टोल प्लाजा कर्मचारियों के द्वारा विशिष्ट तथा अतिरिक्त लाइन सहित कुल 7 लाइनों को चालू रखा गया तब भी जाम से निजात नहीं मिली।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे के टोल प्रबंधक प्रमोद धनगर से बात करने पर बताया कि तीन-चार घंटे ज्यादा भीड़ रही थी कुछ वाहन तितर-बितर चल रहे थे इसके कारण परेशानी हुई पुलिस प्रशासन के द्वारा उस व्यवस्था को ठीक किया गया उसके बाद जाम की स्थिति नहीं रही एक साथ वाहनों की संख्या बढ़ने से त्यौहारी सीजन के चलते दिक्कत हुई थी।

राज्यमंत्री धर्मवीर प्रजापति ने गरीबों के साथ मनाई दीपावली, जरूरतमंद परिवारों को बांटे दीपक और मिठाई



आगरा। दीपावली के पावन पर्व पर राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा विभाग धर्मवीर प्रजापति ने झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले गरीब और जरूरतमंद परिवारों के बीच पहुंचकर उनके साथ त्योहार की खुशियां साझा कीं। इस दौरान उन्होंने जरूरतमंद परिवारों को दीपक, तेल और मिठाई वितरित की। राज्यमंत्री की इस पहल का उद्देश्य गरीब परिवारों के घरों में भी दीपावली पर रोशनी और खुशियां पहुंचाना रहा। उन्होंने बच्चों को मिठाई वितरित कर उनके चेहरों पर मुस्कान लाने का प्रयास किया। इस अवसर पर राज्यमंत्री धर्मवीर प्रजापति ने कहा कि दीपावली खुशियों और रोशनी का त्योहार है। गरीबों के घर भी दीपावली पर दीपक जलने चाहिए और उनके बच्चों को भी मिठाई खाने तथा त्योहार मनाने का पूरा अवसर मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले लोग भी हमारे समाज का अभिन्न हिस्सा हैं। समाज के प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है कि वह जरूरतमंदों के साथ खुशियां बांटे।राज्यमंत्री की इस पहल के माध्यम से सामाजिक समरसता, सेवा और सहयोग का संदेश दिया गया। उन्होंने कामना की कि हर गरीब परिवार की दीपावली रोशनी, खुशियों और उत्साह से सराबोर हो।

इस मौके पर ज्वाला प्रसाद प्रजापति विष्णु प्रजापति माता प्रसाद प्रजापति श्याम अग्रवाल पार्षद राजू प्रजापति दीपक प्रजापति रवि शर्मा(रामू प्रजापति पत्रकार) दिनेश प्रजापति मौजूद रहे।

कृषि, शोध, साहित्य एवं जनसंचार जगत की एक प्रेरक विभूति को भावभीनी श्रद्धांजलि

ज्ञान, कर्मठता और समाजोपयोगी योगदान के लिए सदैव स्मरणीय रहेंगे डॉ. सुभाष चंद्र शर्मा

टीएनएफ टुडे,

आदरणीय श्री सुभाष चंद्र शर्मा जी के आकस्मिक निधन का समाचार अत्यंत दुःखद एवं हृदयविदारक है। उनका निधन केवल उनके परिवार और आत्मीयजनों के लिए ही नहीं, बल्कि कृषि, शिक्षा, शोध, साहित्य एवं जनसंचार जगत के लिए भी एक अपूरणीय क्षति है। मूलतः फिरोजाबाद से जुड़े शर्मा जी ने अपने ज्ञान, अनुभव, परिश्रम और रचनात्मक दृष्टिकोण से समाज में एक विशिष्ट पहचान बनाई थी।

कृषि विज्ञान के क्षेत्र में उनका योगदान बहुआयामी और उल्लेखनीय रहा। वे कृषि एवं उद्यान विज्ञान के विषयों के गहन अध्येता थे। कृषि की व्यावहारिक समस्याओं, वैज्ञानिक तकनीकों, फसल उत्पादन, उद्यानिकी विकास तथा किसानों की आवश्यकताओं के प्रति उनकी विशेष रुचि थी। उनका मानना था कि कृषि विज्ञान का वास्तविक उद्देश्य केवल शोधपत्रों और पुस्तकों तक सीमित रहना नहीं, बल्कि वैज्ञानिक उपलब्धियों को खेतों तक पहुँचाकर किसानों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाना है। इसी दृष्टिकोण के साथ उन्होंने कृषि ज्ञान के प्रसार और वैज्ञानिक चेतना के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

लेखन एवं साहित्य के क्षेत्र में भी उनका कार्य उल्लेखनीय रहा। उनकी अनेक पुस्तकों का प्रकाशन तथा दर्जनों से अधिक शोधपत्रों का लेखन उनकी अकादमिक सक्रियता, विषयगत दक्षता और शोध के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उन्होंने कृषि संबंधी जटिल वैज्ञानिक विषयों को सरल, उपयोगी और व्यावहारिक रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास किया। उनका साहित्य विद्यार्थियों, शिक्षकों, शोधार्थियों तथा कृषि क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए उपयोगी संदर्भ सामग्री के रूप में महत्वपूर्ण है।

उनके व्यक्तित्व का एक अत्यंत प्रभावशाली पक्ष जनसंचार माध्यमों के माध्यम से कृषि विज्ञान का प्रचार-प्रसार था। दूरदर्शन एवं आकाशवाणी पर प्रसारित उनकी कृषि उपयोगी वार्ताओं ने वैज्ञानिक जानकारियों को व्यापक जनसमुदाय तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। रेडियो और टेलीविजन जैसे माध्यमों के माध्यम से उन्होंने किसानों को नवीन कृषि तकनीकों, उत्पादन संबंधी जानकारियों तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण से परिचित कराने का सराहनीय प्रयास किया। उनकी वार्ताओं की विशेषता विषय की स्पष्टता, व्यावहारिक उपयोगिता और आमजन से सीधा संवाद स्थापित करने की क्षमता थी।

वर्तमान डिजिटल युग में सोशल मीडिया कृषि ज्ञान के प्रसार का एक प्रभावशाली माध्यम बन चुका है। इस माध्यम का उपयोग करते हुए भी उन्होंने कृषि, विज्ञान, शिक्षा और समसामयिक विषयों से संबंधित जानकारियों एवं विचारों को समाज तक पहुँचाने में रुचि दिखाई। वे ज्ञान के लोकतंत्रीकरण और वैज्ञानिक सूचनाओं की सहज उपलब्धता के पक्षधर थे। उनके प्रयास इस बात का उदाहरण हैं कि एक जागरूक कृषि वैज्ञानिक अपनी विशेषज्ञता को संस्थागत सीमाओं से बाहर निकालकर समाज के व्यापक हित में उपयोग कर सकता है।

उनका जीवन इस विचार को पुष्ट करता है कि एक वैज्ञानिक की सार्थकता केवल उसके व्यक्तिगत शोध और उपलब्धियों से नहीं, बल्कि समाज को दिए गए योगदान से भी निर्धारित होती है। पुस्तकें, शोधपत्र, रेडियो-टेलीविजन की वार्ताएँ और जनसंचार के विविध माध्यमों से किए गए उनके प्रयास आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का आधार बने रहेंगे।

उनके आकस्मिक निधन से कृषि जगत ने एक अनुभवी, अध्ययनशील और समाज के प्रति संवेदनशील व्यक्तित्व खो दिया है। उनके साथ जुड़े लोगों, विद्यार्थियों, सहकर्मियों और शुभचिंतकों के लिए यह अत्यंत पीड़ादायक क्षण है। किसी व्यक्ति का वास्तविक जीवन उसकी आयु से नहीं, बल्कि उसके विचारों, कार्यों और समाज पर छोड़ी गई सकारात्मक छाप से मूल्यांकित होता है। इस दृष्टि से उनका कृतित्व सदैव जीवंत रहेगा। इस दुःखद अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र, फिरोजाबाद, चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर के उनके सहयोगियों तथा समस्त शोकाकुल परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएँ व्यक्त करता हूँ। परिवार के लिए यह अपूरणीय व्यक्तिगत क्षति है। हम सभी इस कठिन समय में उनके साथ अपनी संवेदना और आत्मीयता प्रकट करते हैं।

ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोकसंतप्त परिवार को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति और धैर्य दें। उनका ज्ञान, साहित्य, शोध और कृषि जगत के प्रति समर्पण सदैव स्मरणीय रहेगा।

भावभीनी श्रद्धांजलि एवं शत-शत नमन।

ॐ शांति!

– प्रो. (डॉ.) ब्रजेश कुमार प्रभारी,

, उद्यान विज्ञान विभाग

आर.बी.एस. कॉलेज, बिचपुरी, आगरा

टीएनएफ टुडे मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड के लिए **धीरज शर्मा** द्वारा श्रीराम मार्केट फूलपुर अड्डा, देवरी रोड, फतेहाबाद आगरा से प्रकाशित एवं मुद्रक पवन पाठक द्वारा इम्प्रैशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड गुरू का ताल सिकंदरा रोड आगरा से मुद्रित।
संपादकः धीरज शर्मा, फोनः 9412359817, E mail: tnftoday.com@gmail.com वेबसाइटः www.tnftoday.com
पंजीयन नं. UPHIN/25/A3702 (संपादक इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।)

सम्पादकीय

दीपावली का पावन महापर्व और प्रकाश की इस बेला में समाज के हर कोने तक खुशियों के दिए जलाने का हमारा सामूहिक संकल्प

रोशनी, उमंग और आस्था के सबसे बड़े राष्ट्रीय पर्व दीपावली का यह पवित्र अवसर एक बार फिर हमारे जीवन में अंधकार पर प्रकाश की और असत्य पर सत्य की विजय का शाश्वत संदेश लेकर आया है। जब देश भर के घर-आंगन मिट्टी के दीपकों की टिमटिमाती रोशनी से जगमगा उठते हैं और आतिशबाजी की गूंज से आसमान रोशन हो जाता है, तब हर नागरिक के हृदय में एक नई उम्मीद और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। लेकिन दीपावली का यह पावन पर्व केवल भौतिक दीपों को जलाने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका असली संदेश हमारे भीतर की उन तमाम बुराइयों, ईर्ष्या, द्वेष और अज्ञानता के अंधेरों को मिटाना है जो समाज को अंदर से खोखला कर रहे हैं। आज के इस भौतिकवादी युग में जब समाज का एक बहुत बड़ा वर्ग महंगाई, बेरोजगारी और अभावों के कारण अंधेरे में जीवन जीने को मजबूर है, तब हमारी असली दीपावली तभी सार्थक हो सकती है जब हम अपने आसपास के जरूरतमंदों के घरों में भी खुशियों के दीप जलाएं। व्यापारिक दृष्टिकोण से देखा जाए तो यह पर्व देश की अर्थव्यवस्था को नई गति देने और बाजार में रौनक लौटने का एक बहुत बड़ा जरिया बनता है, जिससे छोटे कारीगरों और कुम्हारों के चेहरों पर मुस्कान आती है। यह बेहद जरूरी है कि हम वोकल फॉर लोकल के संकल्प को अपनाते हुए अपने स्थानीय हस्तशिल्पियों और पारंपरिक कारीगरों द्वारा बनाए गए उत्पादों को खरीदें ताकि उनकी भी दीवाली सचमुच रोशन हो सके। प्रदूषण और पर्यावरण की चिंताओं को ध्यान में रखते हुए हमें इस बार की दीपावली को अधिक जिम्मेदार और पर्यावरण-अनुकूल तरीके से मनाने का संकल्प लेना चाहिए ताकि उत्सव का उल्लास भी बचे और प्रकृति की सेहत भी सुरक्षित रहे। आइए इस दीपोत्सव पर हम सब मिलकर यह प्रण लें कि हम न केवल अपने घरों को रोशन करेंगे बल्कि समाज के हर वंचित और शोषित व्यक्ति के जीवन में भी प्रकाश की एक नई किरण लेकर आएंगे।

जब पूरा देश खरीदारी पर निकलता है, अर्थव्यवस्था में जगमगाने लगती हैं लक्ष्मी

बृज खंडेलवाल



आखिर क्या होता है, जब करोड़ों भारतीय एक साथ जश्न मनाने निकल पड़ते हैं? बाजार सज जाते हैं, दुकानों पर भीड़ उमड़ती है, सोने के शोरूम चमक उठते हैं, कारों की डिलीवरी तेज हो जाती है और अर्थव्यवस्था में नई जान आ जाती है। दिवाली सिर्फ दीयों, मिठाइयों और आतिशबाजी का त्योहार नहीं है। यह भारत का सबसे बड़ा खरीदारी महोत्सव भी है। इसे देश की अर्थव्यवस्था का सालाना बूस्टर डोज कह सकते हैं। हर चमकते दीये के पीछे कारोबार की एक कहानी है। हर खरीदारी के साथ रोजगार और आमदनी की एक नई कड़ी जुड़ जाती है।

इस साल दिवाली ने भारतीय बाजार की ताकत का शानदार प्रदर्शन किया है। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (उअक्ळ) के अनुमान के मुताबिक, नवरात्र से दिवाली तक देश में कारोबार सात लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर सकता है। पिछले साल यह कारोबार 6.05 लाख करोड़ रुपये था (माल 5.40 लाख करोड़ और सेवाएं लगभग 65,000 करोड़)। यानी इस बार करीब 15 से 18 प्रतिशत की बढ़ोतरी का अनुमान है। दिल्ली अकेले लगभग एक लाख करोड़ रुपये का त्योहारी कारोबार दर्ज कर सकता है।

धनतेरस के आंकड़ों पर गौर कीजिए। उअक्ळ के अनुसार इस एक दिन में देशभर में एक लाख करोड़ रुपये से अधिक (बाद के अनुमानों में 1.25 लाख करोड़ तक) की बिक्री हुई। इसमें सोने और चांदी की खरीदारी का हिस्सा 60,000 करोड़ से अधिक (AIJGF अनुमानों में 66,000 करोड़ के आसपास) रहा। ऊंची कीमतों के बावजूद हल्के गहनों, सिल्वर कॉइन्स और पारंपरिक वस्तुओं की मांग बनी रही। कीमतों में मामूली नरमी ने खरीदारों को आकर्षित किया।

खरीदारी का उत्साह केवल गहनों तक सीमित नहीं रहा। घरेलू उपकरणों में अच्छी वृद्धि दर्ज हुई। मारुति सुजुकी ने धनतेरस पर लगभग 30,000 कारें ग्राहकों को सौंपीं। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स ने भी 12,000 इकाइयों के आसपास रिटेल किया। सड़कों पर नई गाड़ियां दौड़ने लगीं।

दिवाली ऐसा त्योहार है, जिसमें खुशहाली का हिस्सा लगभग हर किसी तक पहुंचता है। किराना, मिठाइयां, नमकीन, सूखे मेवे, कपड़े, जूते-चप्पल, फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक्स और सजावटी सामान खूब बिके। लेकिन असली रौनक छोटे कारोबारियों के चेहरों पर दिखाई देती है—मिट्टी के दीये बनाने वाले कुम्हार, हस्तशिल्प कारीगर, फूल बेचने वाले, घरों में मिठाइयां बनाने वाली महिलाएं और गली-मोहल्लों के दुकानदार। इनके लिए दिवाली साल का सबसे बड़ा कारोबारी मौका है।

सेवा क्षेत्र में भी जमकर बहार आई। ट्रांसपोर्ट, डिलीवरी, पैकेजिंग, गोदाम, कैटरिंग, होटल, रेस्तरां, टैक्सी और सजावट से जुड़े काम बढ़े। CAIT के अनुमान के अनुसार इस साल त्योहारी सीजन में सेवा क्षेत्र का कारोबार 80,000 करोड़ से एक लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है—पिछले साल के करीब 65,000 करोड़ से 20-25 प्रतिशत अधिक।

भारत के नौ करोड़ से अधिक व्यापारियों का नेटवर्क इस आर्थिक गतिविधि की रीढ़ है। छोटी दुकानें, पारिवारिक कारोबार, कारीगर और स्थानीय निमार्ता इस मौसम में अपनी कमाई बढ़ाने का इंतजार करते हैं। वोकल फॉर लोकल, मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसे अभियानों ने घरेलू उत्पादों की तरफ ध्यान खींचा है। भारतीय दीये, कपड़े, हस्तशिल्प और घरेलू सामान खरीदने से छोटे उद्योगों को सहारा मिलता है।

अर्थशास्त्र की भाषा में इसे ह्यमल्टीप्लायर इफेक्टह्न कहते हैं। एक की खरीदारी दूसरे की कमाई बन जाती है। एक साड़ी बिकती है तो निमार्ता, थोक व्यापारी, दुकानदार और परिवहन कर्मचारी तक कमाते हैं। मिठाई का एक डिब्बा कई परिवारों के चूल्हे जलाता है।

इस चमक के बीच कुछ सवाल भी जरूरी हैं। क्या खरीदारी का यह उत्साह छोटे शहरों और गांवों तक समान रूप से पहुंच रहा है? क्या बढ़ती बिक्री के साथ आम परिवारों की आमदनी भी बढ़ रही है? क्या लोग बचत से खरीदारी कर रहे हैं या कर्ज लेकर शौक पूरे कर रहे हैं? अर्थव्यवस्था को केवल खरीददार नहीं, आर्थिक रूप से सुरक्षित परिवार भी चाहिए।

फिर भी दिवाली भारतीय घरेलू बाजार की ताकत का शानदार उदाहरण है। हमारी सांस्कृतिक परंपराएं और व्यापारिक गतिविधियां मिलकर विकास का नया रास्ता खोल सकती हैं। त्योहार बाजार तक ग्राहकों को लाता है, बाजार रोजगार पैदा करता है और रोजगार खुशहाली बढ़ाता है।

आखिरकार, दिवाली केवल घरों में दीये नहीं जलाती। यह लाखों दुकानों, कारखानों, कार्यशालाओं और छोटे कारोबारों में भी उम्मीद की रोशनी भरती है। जब भारत खरीदारी करता है, तो भारत का बाजार चलता है। जब बाजार चलता है, तो करोड़ों घरों में चूल्हे जलते हैं।

लक्ष्मी जी दिवाली पर घरों में जरूर आती हैं, लेकिन लगता है इस बार उन्होंने दुकानों, कारखानों और गोदामों का भी रास्ता पकड़ लिया है!

'संस्कार, परिवार और सामाजिक मूल्यों का संकट'

प्रोफेसर स्वामी ध्यान प्रेम



सनातन धर्म केवल पूजा-पद्धति और धार्मिक कर्मकांड तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जीवन को संस्कारित करने, परिवार को सुदृढ़ बनाने और समाज को नैतिक दिशा देने वाली जीवन-दृष्टि है। भारतीय संस्कृति में सोलह संस्कारों की परंपरा व्यक्ति के जीवन को अनुशासित, मर्यादित और उत्तरदायी बनाने का माध्यम रही है। इनमें विवाह संस्कार का विशेष महत्व है। विवाह केवल दो व्यक्तियों का संबंध नहीं, बल्कि दो परिवारों, पीढ़ियों और सामाजिक उत्तरदायित्वों का मिलन है। किंतु आज आधुनिक जीवनशैली, उपभोक्तावाद और बदलती प्राथमिकताओं के बीच विवाह संस्था के मूल्यों में गिरावट दिखाई दे रही है।

विवाह का स्वरूप अनेक स्थानों पर संस्कार से अधिक सामाजिक प्रतिष्ठा और आर्थिक प्रदर्शन का माध्यम बनता जा रहा है। विश्वास, समर्पण, सहनशीलता और पारस्परिक सम्मान जैसे मूल्य कमजोर पड़ रहे हैं। वैवाहिक संबंधों में बढ़ते तनाव और पारिवारिक विघटन के पीछे केवल व्यक्तिगत स्वतंत्रता नहीं, बल्कि संवादहीनता, अपेक्षाओं का असंतुलन और पारिवारिक उत्तरदायित्वों के प्रति घटती संवेदनशीलता भी महत्वपूर्ण कारण हैं। घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न और असमानता जैसी समस्याओं को किसी भी परंपरा के नाम पर स्वीकार नहीं किया जा सकता। आवश्यकता ऐसे वैवाहिक संबंधों की है जिनकी नींव समानता, विश्वास और सम्मान पर टिकी हो।

भारतीय समाज की सबसे बड़ी शक्ति परिवार संस्था रही है। संयुक्त परिवारों ने पीढ़ियों के बीच अनुभव, संस्कार, सहयोग और सामाजिक सुरक्षा का सेतु बनाया। लेकिन एकल परिवारों का विस्तार, रोजगार के लिए पलायन, व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाएं और डिजिटल जीवनशैली पारिवारिक संबंधों को प्रभावित कर रही हैं। वृद्ध माता-पिता का अकेलापन, बच्चों में पारिवारिक संस्कारों की कमी और पीढ़ियों के बीच बढ़ती दूरी गंभीर सामाजिक प्रश्न हैं। ऐसे समय में कुटुंब प्रबोधन की आवश्यकता विशेष रूप से महसूस होती है। परिवार में सामूहिक भोजन, नियमित संवाद, बुजुर्गों का सम्मान, बच्चों के साथ समय और सामाजिक दायित्वों की समझ जैसे छोटे प्रयास परिवार को पुनः संस्कारों का केंद्र बना सकते हैं।

इस विमर्श का एक महत्वपूर्ण पक्ष जनसांख्यिकीय परिवर्तन भी है। देश के अनेक हिस्सों में प्रजनन दर में गिरावट, विवाह और मातृत्व-पितृत्व की बढ़ती आयु तथा बुजुर्ग आबादी का विस्तार भविष्य की चुनौतियां हैं। वहीं कुछ क्षेत्रों में जनसंख्या वृद्धि और संसाधनों पर बढ़ता दबाव भी चिंता का विषय है। जनसांख्यिकीय संतुलन पर विमर्श तथ्यों, शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक परिस्थितियों और संवैधानिक समानता के आधार पर होना चाहिए। इसे किसी समुदाय के प्रति भय या अविश्वास पैदा करने का माध्यम नहीं बनाया जाना चाहिए। परिवारों को सुरक्षित, सम्मानजनक और आर्थिक रूप से सक्षम वातावरण उपलब्ध कराना इसका व्यावहारिक समाधान है।

सामाजिकता और सामूहिक उत्तरदायित्व का क्षरण भी उतनी ही गंभीर चिंता है। कभी गांव, मोहल्ले और पड़ोस व्यक्ति के सुख-दुख में सहभागी होते थे। आज सामाजिक संबंधों का बड़ा हिस्सा औपचारिकता और डिजिटल संपर्क तक सीमित होता जा रहा है। परोपकार, सहयोग, संवेदनशीलता और सार्वजनिक जीवन की शुचिता कमजोर पड़ रही है। भ्रष्टाचार को सामान्य मान लेना, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना और सामाजिक अन्याय के प्रति उदासीन रहना इसी प्रवृत्ति के उदाहरण हैं। सामाजिक नियंत्रण की पारंपरिक व्यवस्थाएं कमजोर हुई हैं, जबकि आधुनिक संस्थाएं भी नैतिक अनुशासन स्थापित करने में अपेक्षित भूमिका नहीं निभा पा रही हैं। कानून आवश्यक है, लेकिन सामाजिक चरित्र का निर्माण आत्मानुशासन और नैतिक चेतना से ही संभव है।

एक विडंबना यह भी है कि धार्मिक आयोजनों, कथाओं, यात्राओं, यज्ञों और उत्सवों का विस्तार हो रहा है, लेकिन उनके अनुरूप सामाजिक और नैतिक आचरण विकसित नहीं हो पा रहा। धार्मिक स्थलों पर भीड़ बढ़ना आस्था का संकेत हो सकता है, किंतु धर्म की सार्थकता व्यक्ति के व्यवहार में दिखाई देनी चाहिए। यदि पूजा-पाठ के साथ ईमानदारी, करुणा, नारी सम्मान, सेवा और सामाजिक संवेदनशीलता नहीं बढ़ती तो धार्मिक सक्रियता का उद्देश्य अधूरा रह जाता है। धर्म का वास्तविक प्रभाव कर्मकांड की भव्यता से नहीं, बल्कि जीवन में आए नैतिक परिवर्तन से मापा जाना चाहिए।

आर्थिक सशक्तीकरण और नारी स्वतंत्रता को सामाजिक मूल्यों के पतन का कारण मानना भी उचित नहीं है। महिलाओं की शिक्षा, आत्मनिर्भरता, समान अधिकार और निर्णय लेने की स्वतंत्रता स्वस्थ समाज की अनिवार्य उपलब्धियां हैं। प्रश्न स्वतंत्रता का नहीं, बल्कि अधिकारों के साथ उत्तरदायित्व और व्यक्तिगत आकांक्षाओं के साथ सामाजिक सरोकारों के संतुलन का है। पुरुष और महिला दोनों को समान सम्मान तथा पारिवारिक जिम्मेदारियों में समान भागीदारी मिलनी चाहिए। आधुनिकता और परंपरा के बीच टकराव के बजाय समन्वय स्थापित करना समय की मांग है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि सनातन संस्कृति को केवल धार्मिक आयोजनों और प्रतीकात्मक अभिव्यक्तियों तक सीमित न रखा जाए। उसके मूल आदर्शों को व्यक्तिगत आचरण, पारिवारिक व्यवहार और सामाजिक व्यवस्था में उतारा जाए। कुटुंब प्रबोधन को औपचारिक अभियान के बजाय सामाजिक पुनर्जागरण का व्यापक प्रयास बनाना होगा। परिवार में संस्कार, समाज में संवेदना, सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी और स्त्री-पुरुष संबंधों में समानता को प्राथमिकता देनी होगी।

वस्तुतः किसी समाज की वास्तविक शक्ति उसकी आर्थिक समृद्धि अथवा धार्मिक आयोजनों की भव्यता से नहीं, बल्कि संस्कारित नागरिकों, सुदृढ़ परिवारों और नैतिक सामाजिक व्यवस्था से निर्धारित होती है। मंदिरों में आस्था बढ़े, लेकिन घरों में संवेदना भी बनी रहे; विवाह समारोह भव्य हों, लेकिन वैवाहिक संबंधों में विश्वास भी हो; आर्थिक उन्नति हो, लेकिन सामाजिक उत्तरदायित्व भी सुरक्षित रहे। यही सनातन संस्कृति का वास्तविक मर्म है और यही वर्तमान समय में कुटुंब प्रबोधन की सबसे बड़ी प्रासंगिकता है।

अनसुने प्रसंग- क्षेपक कथा

जब भगवान ने तीन पग भूमि मांगी थी और संपूर्ण ब्रह्मांड को अपने दो ही चरणों में नाप लिया था

श्रीमद्भागवत महापुराण के अष्टम स्कंध के अत्यंत दुर्लभ और पावन अध्यायों में दैत्यराज बलि और भगवान विष्णु के वामन अवतार से जुड़ी यह महान कथा संपूर्ण सृष्टि में भक्ति, समर्पण और अहंकार के सर्वनाश के उस शाश्वत सत्य को उजागर करती है जिसे बड़े-बड़े ज्ञानी भी आसानी से नहीं समझ पाते हैं। पौराणिक काल में जब असुर राज बलि ने अपनी वीरता, यज्ञों के बल और गुरु शुक्राचार्य के आशीर्वाद से तीनों लोकों पर अपना अधिकार जमा लिया और देवराज इंद्र समेत सभी देवता भयभीत होकर छिपने को मजबूर हो गए, तब समस्त देवताओं ने भगवान विष्णु की शरण ली।

दैत्यराज बलि यद्यपि अत्यंत पराक्रमी और दानी था तथा उसके राज्य में कोई भी भूखा या दुखी नहीं रहता था, किंतु उसके भीतर यह अहंकार घर कर गया था कि वह इस ब्रह्मांड का सबसे बड़ा दाता और सर्वसर्वा बन चुका है। समस्त देवताओं की पुकार सुनकर भगवान विष्णु ने अदिति के गर्भ से एक अत्यंत छोटे और बटुक यानी वामन रूप में प्रकट होने का संकल्प लिया और वे राजा बलि द्वारा किए जा रहे विशाल अश्वमेध यज्ञ की वेदी पर एक साधारण ब्राह्मण बालक के वेश में पहुंच गए। जब वामन रूपी भगवान ने राजा बलि के पास जाकर उनसे केवल अपने भिक्षा स्वरूप मात्र तीन पग भूमि देने का आग्रह किया, तो दैत्यराज बलि के गुरु शुक्राचार्य तुरंत समझ गए कि यह साधारण बालक कोई और नहीं बल्कि स्वयं जगत के पालनहार श्री हरि हैं। गुरु शुक्राचार्य ने बलि को सावधान करते हुए कहा कि यह भगवान विष्णु हैं जो तुम्हारा सर्वस्व छीनने आए हैं इसलिए तुम इन्हें तीन पग भूमि देने का संकल्प भूलकर भी मत देना, किंतु दानवीर बलि ने अपने वचनों और कुल की प्रतिष्ठा से पीछे हटने से साफ इंकार कर दिया। जैसे ही राजा बलि ने संकल्प लेकर भगवान वामन को तीन पग भूमि देने की स्वीकृति दी, वैसे ही उस छोटे से बालक ने अपने विराट और अनंत स्वरूप को प्रकट कर दिया जिसके एक ही चरण में पूरी पृथ्वी और दूसरे चरण में अंतरिक्ष तथा स्वर्गलोक समा गए। जब भगवान ने बलि से पूछा कि हे राजन अब मेरे तीसरे पग के लिए अपनी कौन सी वस्तु रखोगे, तब बलि ने अपना सिर झुकाकर प्रभु के चरणों में समर्पित कर दिया और अपने सारे अहंकार का पूरी तरह त्याग कर दिया। भगवान विष्णु ने राजा बलि की इस निष्कपट उदारता और अनन्य समर्पण से प्रसन्न होकर उन्हें पाताल लोक का स्वामी बना दिया और स्वयं उनके द्वारपाल बनकर पहरा देने का अद्भुत वरदान प्रदान किया। यह पावन और अनसुना प्रसंग हमें यह अमर सीख देता है कि मनुष्य चाहे कितना भी शक्तिशाली और दानी क्यों न बन जाए, यदि उसके भीतर अहंकार आ जाता है तो भगवान उसकी परीक्षा लेकर उसके घमंड को अवश्य ही चकनाचूर कर देते हैं।

सितारों की चाल: आपका भविष्यफल

दिनांक 09 नवंबर 2026 सोमवार

कल का दिन कैसा होगा? इसकी तैयारी आज ही करें!

प्रिय पाठकों, TNF टुडे हमेशा आपकी सुविधा को सर्वोपरि रखता है। इसी उद्देश्य से हम आपको एक दिन अग्रिम (Advance) राशिफल प्रदान कर रहे हैं ताकि आप अपने महत्वपूर्ण कार्यों, बैठकों और यात्राओं की योजना आज रात ही बना सकें। सितारों की चाल जानकर संभावित चुनौतियों के प्रति पहले से सजग रहना ही सफलता की पहली सीढ़ी है।



मार्गदर्शनः आचार्य दीदी
डॉ. सरस्वती देवकृष्ण गौड़
(एस्ट्रो वास्तु शोधनम)
मो. 9119336673

शुभकार्य हेतु आज का चंद्रबल

आज वृष मिथुन कन्या तुला वृश्चिक और मीन राशि के जातकों का मानसिक मनोबल और भाग्य का संबल अत्यंत उत्तम रहेगा। सोमवार का दिन देवों के देव महादेव भगवान शिव और चंद्रमा की आराधना के लिए परम पवित्र और अक्षय फलदायी माना जाता है। आज के दिन शिवालय में जाकर शिवलिंग पर कच्चा दूध और बेलपत्र अर्पित करने तथा महामृत्युंजय मंत्र का जाप करने से जीवन के सभी मानसिक संताप दूर होते हैं और अटूट शांति तथा आरोग्य की प्राप्ति होती है।

मेष

आज कार्यक्षेत्र में आपके पराक्रम और नेतृत्व क्षमता की खुलकर सराहना होगी जिससे आपका प्रभाव काफी बढ़ेगा। आर्थिक मामलों में किए गए पूर्व प्रयासों से अचानक बड़ा धन लाभ होने की पूरी संभावना बन रही है। भगवान शिव को बेलपत्र अर्पित करें जिससे आपके सभी संकट दूर हों।

वृष

आज व्यापार में किसी नए प्रोजेक्ट पर काम शुरू करने का बहुत ही अनुकूल समय है और वरिष्ठ अधिकारियों का पूरा सहयोग मिलेगा। पारिवारिक जीवन में सुख और शांति का वातावरण बना रहेगा जिससे आपका मन प्रफुल्लित रहेगा। मंदिर में दूध का दान करें जिससे आपके भाग्य के द्वार खुलेंगे।

मिथुन

आज आपकी बौद्धिक क्षमता और तार्किक शक्ति से आपके सभी जटिल और रुके हुए कार्य तेजी से हल होंगे। विद्यार्थियों के लिए आज का दिन अध्ययन और प्रतियोगिता परीक्षा में बड़ी सफलता दिलाने वाला रहेगा। शिव चालीसा का नियमित पाठ करें जिससे आपकी संपत्ति और कार्यकुशलता में वृद्धि हो।

कर्क



आज भूमि भवन या अचल संपत्ति के क्रय-विक्रय से जुड़ा कोई रुका हुआ मामला सुलझने से मन में उत्साह रहेगा। माता-पिता का भरपूर स्नेह और मार्गदर्शन प्राप्त होगा जो आपके लिए बहुत लाभदायक रहेगा। मंदिर में सफेद वस्त्र भेंट करें जिससे आपके घर में सुख समृद्धि का वास हो।

सिंह

आज समाज और कार्यक्षेत्र में आपके वर्चस्व तथा मान-सम्मान चरम पर होगा और विरोधी आपके सामने टिक नहीं पाएंगे। आय के नए स्रोत बनने से आपकी आर्थिक स्थिति पहले से अधिक मजबूत और सुदृढ़ होगी। भगवान शिव का जलाभिषेक करें जिससे आपके यश और कीर्ति में वृद्धि हो।

कन्या

आज आपकी आर्थिक स्थिति में बड़ा सुधार देखने को मिलेगा और लंबे समय से रुका हुआ धन वापस मिलेगा। व्यापारियों को नए व्यावसायिक अनुबंध मिलने की पूरी संभावना बन रही है। किसी जरूरतमंद को चावल दान करें जिससे आपके मार्ग की सभी रुकावटें दूर हों।

तुला

आज कला संस्कृति और सामाजिक कार्यों से जुड़े जातकों को बड़ी सफलता मिलेगी और भरपूर जनसमर्थन प्राप्त होगा। दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी और जीवनसाथी के साथ किसी मांगलिक कार्य में भाग लेंगे। मंदिर में चांदी की वस्तु अर्पित करें जिससे आपके जीवन में शांति बनी रहे।

वृश्चिक

आज आपके सोचे हुए सभी शासकीय और कानूनी कार्य बिना किसी रुकावट के समय पर पूरे होंगे। अपने स्वास्थ्य का थोड़ा ध्यान रखें और दिनचर्या को पूरी तरह संयमित रखने का प्रयास करें। महामृत्युंजय मंत्र का जाप करें जिससे आपके सभी विरोधी शांत रहें।

धनु

आज भाग्य का पूरा साथ मिलने से आपके सभी अटके हुए प्रोजेक्ट तेजी से आगे बढ़ेंगे और मन प्रफुल्लित रहेगा। धार्मिक गतिविधियों और सेवा कार्यों में आपकी गहरी रुचि रहेगी जिससे आत्मिक शांति मिलेगी। मंदिर में केसर का तिलक लगाएं जिससे आपके मार्ग प्रशस्त हों।

मकर

आज नौकरीपेशा लोगों को पदोन्नति या नई जिम्मेदारी मिलने के बहुत ही सुंदर योग बन रहे हैं। पैतृक संपत्ति से जुड़ा कोई पुराना विवाद आपसी बातचीत से सुलझ सकता है। सोमवार का व्रत रखें जिससे आपके करियर की बाधाएं समाप्त होंगी।

कुंभ

आज आध्यात्मिक और सामाजिक कार्यों में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी और किसी महत्वपूर्ण यात्रा का योग बनेगा। व्यावसायिक साझेदारों के साथ संबंध मजबूत होंगे जिससे व्यापार में बड़ा मुनाफा मिलेगा। रुद्राष्टक का पाठ करें जिससे आपकी आर्थिक स्थिति और अधिक मजबूत हो।

मीन

आज आर्थिक लेन-देन में पूरी सावधानी बरतें और किसी भी अनजान योजना में सोच-समझकर ही पैसा लगाएं। पारिवारिक माहौल सुखद रहेगा और जीवनसाथी का पूरा सहयोग आपके साथ बना रहेगा। भगवान शिव के चरणों में प्रणाम करके दिन की शुरूआत करें जिससे आपके सभी मानसिक तनाव दूर हों।

आज का वास्तु शोधनम सूत्र

सोमवार के दिन घर की उत्तर दिशा को पूरी तरह स्वच्छ रखकर वहां जल से भरा हुआ चांदी या पीतल का कलश स्थापित करने तथा मुख्य द्वार पर सफेद फूलों की वंदनवार सजाने से घर का गंभीर वास्तु दोष समाप्त होता है तथा भगवान शिव की कृपा से घर में सकारात्मक ऊर्जा, शीतलता और स्थायी सुख-शांति का वास होता है।

प्राप्त प्रार्थना-पत्रों के नियमानुसार त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए

संपूर्ण समाधान दिवस/तहसील दिवस में सुनीं आम-जनमानस की समस्याएं

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।



जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने तहसील सदर में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर फरियादियों की शिकायतें सुनी। जिलाधिकारी ने प्राप्त प्रार्थना-पत्रों के नियमानुसार त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने समस्त विभागीय अधिकारीयों को तहसील दिवस में आने वाले आम-जनमानस/शिकायतकताओं को विभागीय योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि शासन द्वारा संचालित योजनाएं पात्र लाभार्थियों तक पहुंचे, यह हमारी प्राथमिकता है। जिलाधिकारी ने समाधान दिवस में प्राप्त होने वाली शिकायतों का मौके पर जाकर मुआयना करने तथा क्षेत्रीय जनसमस्याओं को गंभीरता से लेकर उनका गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारण करके पीड़ित लोगों को राहत पहुँचाने हेतु अधिकारियों को कडे. निर्देश दिये।

जिलाधिकारी ने सम्पूर्ण समाधान दिवस/ तहसील दिवस में कहा कि जनता की समस्या का समाधान करना हम सबके लिए सर्वोपरि है, कोई भी फरियादी तहसील दिवस या किसी भी कार्यालय से निराश होकर नहीं जाना चाहिए। पारदर्शिता के आधार पर संबंधित को नियमानुसार न्याय दिया जाना ही प्रशासन की प्राथमिकता है।

उप जिलाधिकारी छाता साक्षी शर्मा ने अवगत कराया कि छाता तहसील में 40 शिकायतें प्राप्त हुई है, जिसमें से 04 शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया। उप जिलाधिकारी सदर मोहित कुमार ने अवगत कराया है कि तहसील दिवस में 17 शिकायतें प्राप्त हुई है तथा 05 का मौके पर निस्तारण किया गया। उप जिलाधिकारी महावन प्राजक्ता त्रिपाठी ने अवगत कराया है कि सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान तहसील महावन में कुल 24 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 01 शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया।

उप जिलाधिकारी मांट चंद्रभूषण प्रताप ने अवगत कराया कि मांट तहसील में 52 शिकायतें प्राप्त हुई और 08 शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया। उप जिलाधिकारी गोवर्धन संजय सिंह ने बताया कि गोवर्धन तहसील में 30 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें से 02 का मौके पर निस्तारण किया गया।

भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के स्थापना दिवस पर दुवासू में सेवा और अनुशासन का संदेश

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।



भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के 77वें स्थापना दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश जिला संस्था, मथुरा के प्रतिनिधियों ने दुवासू के कुलपति डॉ. अभिजित मित्र को स्थापना दिवस का स्टिकर लगाया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के वेटरिनरा कालेज के डीन आदि शामिल थे।

युवाओं में अनुशासन, सेवा भावना, आत्मनिर्भरता और नेतृत्व क्षमता का विकास स्काउटिंग का मूल उद्देश्य है। ये मूल्य दुवासू के शैक्षणिक एवं सामाजिक दायित्वों से भी जुड़े हैं, जिनमें पशु सेवा, कृषक कल्याण तथा ग्रामीण समाज के प्रति उत्तरदायित्व का विशेष स्थान है।

जिला संस्था द्वारा आयोजित स्थापना दिवस समारोह का शुभारंभ जिला मुख्य आयुक्त डॉ. कमल कौशिक ने लॉर्ड बेडेन पावेल, लेडी बेडेन पावेल एवं पंडित श्रीराम बाजपेई के चित्रों के समक्ष दीप प्रज्वलित कर तथा पुष्प अर्पित कर किया। उपस्थित अतिथियों, स्काउट मास्टर्स, गाइड कैप्टन, रोवर्स एवं रेंजर्स को स्थापना दिवस के स्टिकर लगाए गए। जिला संस्था ने विभिन्न शैक्षणिक एवं प्रशासनिक संस्थानों में भी स्काउटिंग के आदर्शों का संदेश पहुँचाया।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए स्काउटिंग को सेवा, समर्पण, भाईचारे और मानवता के प्रति कर्तव्य निर्वहन का सशक्त माध्यम बताया। प्रतिभागियों ने जिम्मेदार, अनुशासित एवं सेवाभावी नागरिक बनने का संकल्प लिया।

उच्च न्यायालय का तीन महीने में जांच पूरी करने का आदेश

- रिफाइनरी के संविदा श्रमिकों में भेदभाव और पारिश्रमिक चोरी का मामला



मथुरा। आईओसीएल की मथुरा रिफाइनरी में संविदा श्रमिकों के पारिश्रमिक की चोरी और उनके बीच भेदभाव के मामले में श्रम मंत्रालय द्वारा जुलाई 2026 में केंद्रीय सहायक श्रमायुक्त कानपुर को जांच के आदेश दिए गए थे लेकिन ठंडे बस्ते में पड़े इस आदेश को उच्च न्यायालय इलाहाबाद ने गति दे दी है। पेट्रोलियम वर्कर्स यूनियन कांट्रेक्ट वर्कर्स मथुरा रिफाइनरी के अध्यक्ष मधुवन दत्त चतुवेर्दी एडवोकेट ने बताया कि केंद्रीय श्रम अधिकारियों द्वारा मंत्रालय के आदेश को जुलाई से ठंडे बस्ते में डाल दिया गया था। उन्होंने मौखिक और लिखित रूप से बार बार आग्रह भी किया लेकिन मंत्रालय के आदेश के अग्रसारण में सहायक श्रमायुक्त (केंद्रीय) कानपुर ने कोई पहल नहीं की थी। तब यूनियन ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय में पिटिशन फाइल कर मांग की कि जांच को समयबद्ध किया जाए। माननीय उच्च न्यायालय इलाहाबाद ने अपने आदेश 22.10.2026 से पिटिशन को निस्तारित करते हुए केंद्रीय श्रम विभाग के संबंधित अधिकारी को तीन महीने में जांच पूरी करने का निर्देश दिया है । यूनियन ने उच्च न्यायालय के आदेश की प्रमाणित प्रति 05 नवंबर को उप श्रमायुक्त केंद्रीय कानपुर को प्रस्तुत की है । यूनियन अध्यक्ष मधुवन दत्त चतुवेर्दी ने कहा है कि श्रम सरोकारों के प्रति श्रम विभाग के अधिकारियों की उदासीनता शोषण और उत्पीड़न को जारी रहने के अवसर देती है।

अग्नि सुरक्षा व्यवस्थाओं को परखा, सुरक्षा मानकों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित कराने के दिए निर्देश

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

- जनसुरक्षा सर्वोपरि, पटाखों की दुकानों पर अग्नि सुरक्षा एवं बचाव के सभी आवश्यक इंतजाम अनिवार्य रूप से दुरुस्त रखें : जिलाधिकारी



जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने रामलीला मैदान में लगाई गई पटाखों की दुकानों का स्थलीय निरीक्षण कर वहां की सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य पटाखों की बिक्री के दौरान किसी भी संभावित अग्निकांड अथवा अप्रिय घटना की आशंका को रोकना तथा आमजन की सुरक्षा के लिए की गई व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करना था।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने पटाखों की दुकानों पर अग्नि सुरक्षा के दृष्टिगत किए गए प्रबंधों का गहनता से अवलोकन किया। उन्होंने दुकानों पर उपलब्ध फायर एक्सटिंग्विशर (अग्निशामक यंत्र), फायर ब्रिगेड वाहन, बालू, पानी तथा आग पर तत्काल नियंत्रण पाने के लिए उपलब्ध कराए गए अन्य आवश्यक अग्निशमन एवं सुरक्षा उपकरणों की उपलब्धता एवं उपयोगिता की जानकारी प्राप्त की। अधिकारियों ने अग्निशामक यंत्रों को स्वयं चेक कर उनकी कार्यशीलता एवं आपातकालीन स्थिति में तत्काल उपयोग किए जाने की व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने स्वयं फायर एक्सटिंग्विशर कि एक्सपायरी को चेक किया।

इस दौरान अग्निशमन विभाग के कर्मियों द्वारा फायर एक्सटिंग्विशर के संचालन एवं उपयोग की प्रक्रिया का व्यावहारिक प्रदर्शन (डेमो) भी किया गया। जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने डेमो का अवलोकन करते हुए निर्देश दिए कि संबंधित दुकानदारों एवं वहां तैनात कर्मचारियों को अग्निशामक यंत्रों के सही इस्तेमाल की जानकारी अवश्य होनी चाहिए, ताकि आग लगने की स्थिति में बिना किसी देरी के प्रारंभिक स्तर पर ही आग पर नियंत्रण पाया जा सके।

जिलाधिकारी ने पटाखा विक्रेताओं से वार्ता कर दुकानों के संचालन, सुरक्षा प्रबंधों एवं प्रशासन द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुपालन के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी पटाखा विक्रेता निर्धारित स्थान एवं निर्धारित सुरक्षा मानकों के अनुरूप ही पटाखों का विक्रय करें। दुकानों पर अग्निशमन उपकरण हमेशा उपलब्ध एवं क्रियाशील स्थिति में रखे जाएं।

किसी भी दुकान पर ज्वलनशील सामग्री अथवा ऐसी वस्तुएं न रखी जाएं, जिनसे आग लगने की आशंका बढ़ सकती हो। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि पटाखों की दुकानों के निरीक्षण में किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए।

सभी दुकानों पर अग्नि सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम सुनिश्चित कराए जाएं तथा सुरक्षा मानकों का शत-प्रतिशत अनुपालन कराया जाए। दुकानों के आसपास पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के साथ ही आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित कार्रवाई के लिए फायर ब्रिगेड एवं अग्निशमन कर्मियों को सतर्क एवं तैयार रखा जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी लोगों को आस-पास के अस्पतालों की जानकारी होनी चाहिए।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि पटाखों की दुकानों एवं आसपास के क्षेत्रों में निरंतर सतर्कता एवं निगरानी रखी जाए। भीड़भाड़ को नियंत्रित करने, आवागमन को सुचारु बनाए रखने तथा किसी भी अप्रिय घटना की स्थिति में तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए पुलिस बल पूरी मुस्तैदी के साथ ड्यूटी का निर्वहन करे। उन्होंने दुकानदारों से भी अपील की कि वे प्रशासन एवं पुलिस द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें तथा सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग प्रदान करें।

जिलाधिकारी ने कहा कि त्योहारों के दौरान बड़ी संख्या में लोग पटाखों की खरीदारी के लिए बाजारों में पहुंचते हैं। ऐसे में आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। पटाखों के विक्रय के दौरान अग्नि सुरक्षा के सभी मानकों का पालन किया जाना अत्यंत आवश्यक है। सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए किसी भी संभावित दुर्घटना को रोकने के लिए पूरी सतर्कता बरतें। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनसुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा तथा सुरक्षा मानकों के उल्लंघन अथवा लापरवाही पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

प्रशासन का उद्देश्य त्योहारों के अवसर पर आमजन को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना है, जिससे सभी लोग हर्षोल्लास एवं शांति के साथ पर्व मना सकें। जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि निरीक्षण के दौरान दिए गए निदेशों का प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित कराया जाए तथा पटाखों की दुकानों पर सुरक्षा व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी की जाए।

सचिव ने उठाया करोड़ों की कमीशनखोरी से पर्दा



टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

- 39 करोड़ परफॉर्मेंस ग्रांट वाली अडींग पंचायत में 12-15 करोड कमीशन का खेल
- लोकायुक्त जिला और मण्डल स्तरीय टीम से करा चुके हैं जांच
- मण्डलीय टीम ने गांव में कदम रखे बगैर पूरी कर दी जांच

39 करोड़ की परफॉर्मेंस ग्रांट वाली गोवर्धन क्षेत्र की अडींग पंचायत के सचिव मनीष भंडारी को आगरा विजिलेंस टीम ने शुक्रवार सायं गिरफ्तार कर लिया। मोटी ग्रांट वाली पंचायत का कार्यकाल खत्म होने के बाद हुई इस कार्यवाही ने पंचायत में करोड़ों की कमीशनखोरी को उजागर कर दिया है। अनियमितताओं की लोकायुक्त स्तर से हो चुकी जांच में भी जिला और मण्डल स्तरीय अधिकारियों पर लीपापोती के आरोप हैं। इनकी शिकायत फिर लोकायुक्त को की गई है। अब घोटालेबाजी के प्रमाण विजिलेंस टीम को भी उपलब्ध करायें जाएंगे।

सचिव मनीष भंडारी को पंचायत के एक ठेकेदार के बकाया बिलों का भुगतान करने के एवज में एक लाख रुपए रिश्वत लेते हुए विजिलेंस टीम द्वारा गिरफ्तार होने से पंचायत में घपलों की शिकायतों को बल मिल गया है। शिकायत कताओं का आरोप है कि घपले पंचायत राज विभाग के आला अफसरों के संरक्षण में कराए जा रहे हैं। इस सब के पीछे अवैध वसूली ही एकमात्र कारण है। लोकायुक्त परिवादी अजीत सैनी का आरोप है कि पांच वर्ष पूर्व पंचायत के कुछ जिम्मेदार लोगों की जमीन-जायदाद गिरवी रखी थीं अब वह करोड़ों की सम्पफपत्तयों के मालिक हैं। यह अलग बात है कि सम्पत्तियां परिचित और रिश्तेदारों के नाम पर बनाई हैं। विजिलेंस जांच में उन रिश्तेदारों के पास आए धन का भी हिसाब किताब लेने की तैयारी है। बेनामी सम्पत्तियों का रिकार्ड इकट्ठा किया जा रहा है।

सचिव द्वारा ठेकेदार से 30 फीसदी कमीशन मांगा गया था। सूत्रों की मानें तो पंचायतों में 40 फीसदी तक कमीशनखोरी चल रही है और इसमें कयी लोगों की हिस्सेदारी होती है। इस आंकड़े को सही मान लिया जाए तो 39 करोड़ के कामों में 12-15 करोड़ की कमीशनखोरी हो चुकी है। यही वजह है कि स्पष्ट अनियमितताओं के बाद भी कोई कार्रवाई आज तलक डीपीआरओ द्वारा नहीं की गई।

घपले एक नजर में ---

-मुख्य श्मशान में एक शैडो बनाया, चंदे से बने शैडो के पंचायत ने 4 लाख निकाले

-जी आई सी श्मशान एक वर्ष पूर्व निकाला 10 लाख शिकायत के बाद कराया काम

-डंपिंग यार्ड की टीन उड़ी,गेट टूटा आज तक एक टोकरी कूडा. नहीं डाला

-एस टी पी लाखों बर्बाद कोई पूछने वाला नहीं

-दो आर ओ एटीएम, कैफिटेरिया, स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स, रतन पार्क पड़े बेकार

-पी पी टी मोड़ में किसी ऐसेट्स को खुली बोली से उड़ाने का प्रयास नहीं

-8 करोड़ के मण्डी स्थल की दुकानों को कोई लेने वाला नहीं, बबार्दी

-पंचायत का बोर्ड भंग, 12 सदस्यों ने पद छोड़ा फिर भी प्रधान को बनाया प्रशासक

-प्रधान को प्रशासक बना कार्यकाल खत्म होने के बाद डीपीआरओ ने निकलवाया एक करोड़

दीपोत्सव में समाजसेवियों एवं प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।



वृंदावन संस्कार भारती वृंदावन एवं वृंदावन सेवा संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में दीपावली के पावन उपलक्ष्य में भव्य दीपोत्सव कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा व उल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम में समाजसेवा, साहित्य, नृत्य एवं चिकित्सा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले विशिष्ट व्यक्तित्वों को सम्मानित किया गया। वहीं विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों एवं प्रशिक्षण प्राप्त छात्राओं को पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। मुख्य अतिथि संत सत्यमित्रानंद महाराज एवं महामंडलेश्वर राधाप्रसाद देव महाराज के सानिध्य में आयोजित कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में सर्वेश्वर पत्रिका के संपादक जयकिशोर शरण व मोहिनी शरण महाराज उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि वृंदावन सेवा संस्थान द्वारा किया जा रहा कार्य अत्यंत पवित्र है। दीप सजाओ प्रतियोगिता में बच्चों ने आकर्षक एवं कलात्मक दीप सजाए। प्रतियोगिता में स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। वहीं रंगोली प्रतियोगिता में बच्चों ने रंगों और कलात्मक कल्पनाओं के माध्यम से मनोहारी रंगोलियां सजाकर सभी का मन मोह लिया। इसके साथ ही सिलाई परीक्षा में शिखा, पूजा, ज्योति, सरोज व भावना ने प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान प्राप्त कर सम्मान प्राप्त किया। सभी को सिलाई मशीन प्रदान की गई। ब्यूटी पार्लर की परीक्षा में 16 छात्राओं ने भाग लिया जिसमें कंचन, अंजू व सविता सक्सेना ने प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त किया। करनेवाले सभी को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। विशेष आकर्षण अखंड भारत के मानचित्र पर दीपदान रहा। मानचित्र पर दीप प्रज्वलित कर अखंड राष्ट्र की एकता, अखंडता, समृद्धि एवं सर्वकल्याण की मंगलकामना की। इस अवसर पर काव्य एवं साहित्य के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिए डा. उमाशंकर राही, ओडिसी नृत्य के लिए गुरु प्रताप नारायण बेहरा, चिकित्सा के क्षेत्र में डॉ. जायसवाल को सपरिवार सम्मानित किया गया। इस अवसर पर लक्ष्मण

अज्ञात चार पहिया वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत

मथुरा। हाईवे स्थित एसकेएस यूनिवर्सिटी के सामने अज्ञात चार पहिया वाहन की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई। हादसे में गंभीर रूप से घायल हुकमी (50) पुत्र बल्लो निवासी गांव पसौली को उपचार के लिए केडी मेडिकल कॉलेज लाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

जानकारी के अनुसार गांव पसौली निवासी हुकमी शनिवार को अपने गांव के ही एक युवक के साथ मोटरसाइकिल से छाता जा रहे थे। रास्ते में एक अज्ञात चार पहिया वाहन ने उनकी मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी। हादसे में हुकमी गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तत्काल केडी मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। हुकमी गांव में चक्की चलाकर परिवार का पालन-पोषण करते थे। उनके दो बेटे हैं। हादसे की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर थाना छाता से उपनिरीक्षक अक्षय कुमार पुलिस टीम के साथ मेडिकल कॉलेज पहुंचे। पुलिस ने शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भेजने की कार्रवाई शुरू कर दी है। अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है।

सिंहपौर हनुमान मंदिर से निकाली नगर शोभायात्रा

हनुमान जयंती पर छप्पन भोग अर्पित कर सजाया फूल बंगला



टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

वृंदावन हनुमान जयंती के पावन अवसर पर तीर्थ नगरी के सिंहपौर हनुमान मंदिर में शनिवार को धार्मिक अनुष्ठान आयोजित हुए। प्रातः काल हनुमान जी का चोला चढ़ाकर श्रृंगार कर भक्तों ने सुंदरकांड पाठ किया। अपराह्न काल संतों धमार्चार्यों और महंतों का अभिनंदन कर श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया गया। सायंकाल फूल बंगला सजाकर ठाकुर जी को छप्पन भोग अर्पित किया गया। इसके साथ ही नगर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई।

जिसमें विभिन्न संप्रदायों के संत - महंतों ने सहभागिता की। शोभायात्रा में सर्वप्रथम मां काली की सवारी और अखाड़ों की पटेबाजी हो रही थी। जिसके बाद हनुमान जी के निशान और शोभायात्रा में शामिल संत महंत चल रहे थे। जिसमें मंदिर के महंत सुंदर दास महाराज, बड़ा रासमंडल के महंत लाड़ली शरण महाराज, श्रीमहंत फूलडोल बिहारी दास महाराज, नाभा पीठाधीश्वर महंत सुतीक्ष्ण दास महाराज, चतु संप्रदाय विरक्त वैष्णव परिषद के अध्यक्ष महंत सनत कुमार शरण महाराज, महंत सच्चिदानंद महाराज, संत रामस्वरूप दास, महंत हरिशंकर दास नागा आदि मौजूद रहे। इसके साथ ही गोविंद बाग स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर, चीर घाट स्थित हनुमान मंदिर, केशी घाट स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर और पागल बाबा के समीप स्थित लुटेरिया हनुमान मंदिर पर भी दिव्य अनुष्ठानों का क्रम प्रातः काल से लेकर देर रात्रि तक जारी रहा।



वैज्ञानिक बनने के लिए क्या करें जानिए योग्यता, कोर्स परीक्षा की पूरी जानकारी

वे सभी व्यक्ति जो ज्ञान प्राप्त करनें के लिए विधिवत रूप से कार्य करते है उन्हे वैज्ञानिक कहते हैं, वैज्ञानिक अपनी कल्पना शक्ति का प्रयोग करके, वस्तुओं को सरल बनाने का प्रयास करते है, एक वैज्ञानिक पहले समस्या का अध्ययन करता है, उसके बाद उस समस्या के मूल कारण के बारें में जानकारी प्राप्त करते है, उसके पश्चात वह उस समस्या को हल करने के लिए प्रयोग करते है प्रयोग में उन्हें कई बार सफलता प्राप्त नहीं होती है, तब भी वह निराश नहीं होते है, और निरंतर प्रयोग करते रहते है, प्रयोग सफल होने के बाद, उस की विधि का निर्माण और उस विधि के द्वारा स्या का समाधान करके हायता करता है, वैज्ञानिक की सम्पूर्ण जानकारी ीचे बताई गई है।

कितने प्रकार के होते हैं वैज्ञानिक

- एग्रोनॉमिस्ट
- केमिस्ट
- एस्ट्रोनॉमर
- माइक्रोबायोलॉजिस्ट
- बॉटनिस्ट
- जूलॉजिस्ट
- साइटोलॉजिस्ट
- जियोग्राफर
- इकोलॉजिस्ट
- मरीन बायोलॉजिस्ट
- एपिडेमियोलॉजिस्ट
- फिजिसिस्ट
- एथोलोजिस्ट
- प्लेनटॉलोजिस्ट
- जियोलॉजिस्ट
- सीस्मोलॉजिस्ट

निक बनने नए योग्यता

कैसे बनें अगर आप वैज्ञानिक बनाना चाहते है ता आपक अंदर कुछ स्किल्स होनी चाहिए जो आप नीचे देख सकते है।

सच्ची मेहनत और लगन

केवल वैज्ञानिकों में ही नहीं बल्कि जीवन में किसी भी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सच्ची मेहनत और लगन होनी आवश्यक है। अपने लक्ष्य तक पहुँचने के लिए हर संभव प्रयास करें। वैज्ञानिक बनने के लिए आपमे एक जुनून बहुत जरूरी है, आपको तब तक मेहनत करनी है तब तक आपको अपनी मंजिल नहीं मिल जाए।

विज्ञान में रुचि

वैज्ञानिक बनने के लिए आपमे शुरू से ही विज्ञान के क्षेत्र में रुचि होनी चाहिए। विज्ञान में रुचि होने से अपने लक्ष्य को और सपनों को पूरा कर सकता है।

प्रैक्टिकल नॉलेज

पुस्तकों के ज्ञान के साथ-साथ प्रैक्टिकल नॉलेज होना बहुत ही आवश्यक है। वैज्ञानिक बनने के लिए अलग-अलग और नई-नई चीजों का संशोधन करना होता है, उसकी खोज करनी होती है। अगर आपने प्रैक्टिकल नॉलेज होगा तो आप नए-नए प्रयोग सरलता से कर सकते हैं।

कारण खोजें

किसी भी चीज, वस्तु, मशीन के पीछे का कारण खोजें। उदाहरण तरीके मान लीजिए आपके सामने मोटर घूम रहा है। इसके पीछे का कारण खोजें, पता लगाने की कोशिश करें कि मोटर कैसे घूम रहा है। इसके बारे में अधिक से अधिक जानकारी प्राप्त करें हो सकता है की आप कुछ ऐसी खोज कर ले जिसेके बारे में आज तक किसी ने की ना हो।

भाषा

अपनी मातृभाषा के अलावा अन्य भाषाओं का ज्ञान होना भी उतना ही जरूरी है। अगर आपके पास अन्य भाषाओं का ज्ञान होगा तो आप दूसरे देश के साइंटिस्ट के बारे में भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं साथ ही आपको उसके बारे में आसानी से जान सकते है।

रिसर्च को पढ़ें

- हमारे देश में बहुत सारे देश-विदेश के महान वैज्ञानिक रिसर्च करके गए हैं। उनके रिसर्च को पढ़ें।
- साइंटिस्ट बनने के लिए चरण दर चरण प्रक्रिया की सम्पूर्ण जानकारी आपको नीचे समझाई गई है।
- ग्रेजुएशन की पढ़ाई पूरी कर विज्ञान या इसके बराबर में ग्रेजुएशन डिग्री प्राप्त करें। संबंधित विज्ञान के क्षेत्र में ग्रेजुएशन डिग्री के पूरा होने पर, मास्टर ऑफ साइंस की डिग्री या किसी अन्य प्रासंगिक मास्टर डिग्री के लिए आगे बढ़ें। आपको मास्टर डिग्री के पूरा होने पर पीएचडी के लिए रजिस्ट्रेशन करना चाहिए।

फाउंडेशन कोर्स करें

आगे के प्रशिक्षण के लिए फाउंडेशन डिग्री प्रोग्राम के लिए नामांकन करें। यह कोर्स प्रोफेशनल विकास के साथ विज्ञान प्रोफेशनल्स को प्रदान करता है।





कॉलेज में लेक्चरार कैसे बने

एक अच्छा शिक्षक ही सम्पूर्ण देश के भविष्य का निर्माण करता है, आपको बता दे की शिक्षा से ही हमें जीवन में सफलता मिलती है आवर देश में शिक्षा का स्तर जितना अच्छा होगा वह देश उतना ही विकसित होगा, भारत में शिक्षक का पद बहुत ही सम्मानजनक पद होता है, एक अच्छा शिक्षक बनने के लिए व्यक्ति में व्यक्तिगत गुण होने चाहिए, इन व्यक्तिगत गुणों को अच्छे से प्रशिक्षण के द्वारा विकसित किया जाता है, भारत सरकार शिक्षा व्यवस्था में बेसिक स्तर से कॉलेज स्तर तक बदलाव कर रही है, इसी परिवर्तन के द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) का पुनर्गठन किया जा रहा है, अगर आप कॉलेज में लेक्चरर बनने के विषय में पूरी जानकारी प्राप्त करना चाहते है तो पढ़ें।

प्रमोशन के अवसर

कॉलेज प्रोफेसर एक प्रोन्नति प्राप्त करने वाला पद होता है, आपको बता दे की इस पद के लिए सीधे चयन नहीं किया जा सकता है, इसके लिए आपके पास पीएचडी डिग्री के साथ सभी आवश्यक अनुभव होना आवश्यक है, अगर आप एक प्रोफेशर बनाना चाहते है, तो आपको इस क्षेत्र में लेक्चरार के रूप में अपने करियर की शुरुआत करनी आवश्यक होती है, इसके पश्चात आपका प्रोमोशन अनुभव, प्रदर्शन और वरिष्ठता के आधार पर आपको पहले असिस्टेंट प्रोफेसर और बाद में प्रोफेसर के पद पर नियुक्ति प्रदान की जाती है.

सैलरी

एक कॉलेज प्रोफेसर के रूप में 37,400-67,000 रुपये प्राप्त होता है.

कार्य अनुभव

किसी कॉलेज/ यूनिवर्सिटी में न्यूनतम 10 वर्ष तक पढ़ाने का अनुभव होना चाहिए।

असिस्टेंट प्रोफेसर

शैक्षिक योग्यता - पीएचडी डिग्री तथा 55 प्रतिशत अंकों सहित परस्नातक उत्तीर्ण होना चाहिए।

सैलरी - असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में 15,600- 39,100 ग्रेड पे प्राप्त होता है.

कार्य अनुभव - कॉलेज/ यूनिवर्सिटी स्तर पर न्यूनतम 8 वर्ष का शिक्षण अनुभव या रिसर्च का अनुभव होना चाहिए।

लेक्चरार/ जूनियर फैलो रिसर्चर

शैक्षिक योग्यता - लेक्चरार/ जूनियर फैलो रिसर्चर बनने के लिए यूजीसी नेट परीक्षा उत्तीर्ण करना आवश्यक होता है.



कॉलेज टीचर बनने की प्रक्रिया

अगर आप कॉलेज टीचर बनना चाहते है, तो आपको 12वीं की परीक्षा के समय ही फैसला लेना चाहिए, ताकि आप इस दिशा में अपनी तैयारी को अच्छे से कर सके.

स्कूल स्तर पर

कॉलेज में जो भी विषय के आप प्रोफ़ेसर बनना चाहते है आपको उसी के अनुसार इंटरमीडिएट में विषय का चुनाव करना चाहिए, उस विषय के बेसिक कंसेप्ट को अच्छे से क्लियर करने का अधिक से अधिक प्रयास करे, जिससे स्नातक में आपको लाभ मिल सके.

स्नातक स्तर पर

आपको अच्छी तैयारी के लिए स्नातक में आपको वही विषय लेने चाहिए जो विषय आपने इंटरमीडिएट में पहले लिया था इससे आपको उस विषय की अच्छी जानकारी हो जाएगी और परास्नातक में आपको बहुत फायदा होगा, उन विषयों पर पकड़ आपकी इंटरमीडिएट से ही होने के कारण आपको स्नातक में अच्छे अंक प्राप्त हो सकेंगे। यह अंक आपको कॉलेज प्रोफेसर के रूप में स्क्रीनिंग प्रोसेस में बहुत ही लाभकारी सिद्ध होंगे।

परास्नातक स्तर पर

परास्नातक में आपको उस विषय का चयन करना चाहिए जिस विषय पर आपकी पकड़ सबसे अच्छी हो, और आपको रूचि अधिक हो क्योंकि यूजीसी नेट परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए आपको परास्नातक में कम से कम 55 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य है, अत : आपका लक्ष्य इससे अधिक अंक प्राप्त करने का होना आवश्यक है.

परास्नातक के बाद

परास्नातक पास करनें के बाद आपको यूजीसी नेट परीक्षा की तैयारी शुरू कर देनी चाहिए और इसके साथ ही आप एमफिल अथवा पीएचडी डिग्री के लिए अपने विषय में रिसर्च करने के लिए आवेदन कर सकते है, यहाँ पर इस बात का ध्यान रखना चाहिए की कॉलेज टीचर के रूप में चयनित होने के लिए यूजीसी नेट क्लियर करना जरुरी है, किन्तु आपको अपने विषय में डॉक्टरेट होना भी अत्यंत लाभदायक होता है, यदि आपका लेक्चरार या असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में चयन हो जाता है, तो आपको प्रोफेसर पद पर प्रमोशन प्राप्त करने के लिए पीएचडी डिग्री का होना अनिवार्य है, इसलिए आपको नेट की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद पीएचडी डिग्री करना बहुत ही आवश्यक है.

यूजीसी नेट परीक्षा

यूजीसी नेट का अर्थ है विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की नेशनल एलिजिबिलिटी टेस्ट, इस परीक्षा का आयोजन राष्ट्रीय स्तर पर किया जाता है, इस परीक्षा को सफलता पूर्वक पास करने के बाद सरकारी कॉलेजों में नियुक्ति के लिए यूजीसी के द्वारा स्क्रीनिंग की जाती है, इस परीक्षा का आयोजन वर्ष में दो बार जून तथा दिसंबर में किया जाता है, इसके माध्यम से लेक्चरारशिप तथा जूनियर रिसर्च फैलोशिप के लिए अभ्यर्थियों की स्क्रीनिंग की जाती है.

आयु सीमा

लेक्चरार पद के लिए कोई आयु निर्धारित नहीं की गयी है, परन्तु जूनियर रिसर्च फैलोशिप के लिए अभ्यर्थी के लिए आयु 21 से 28 वर्ष के बीच में होनी चाहिए, एससी/ एसटी/ ओबीसी अभ्यर्थियों को आरक्षण के नियमानुसार छूट प्रदान की जाती है.





प्रोफेशनल फोटोग्राफर कैसे बने

आज के समय मे लोगो को सेल्फी लेने का शोक बहुत तेजी से बढ़ता जा रहा है। और इसी के साथ प्रोफेशनल फोटोग्राफर की डिमांड भी तेजी से बढ़ती जा रही है फोटो क्वालिटी में हर दिन सुधार हो रहा है, इसलिए नए कैमरों में पिक्सल की संख्या बढ़ायी जा रही है, इस समय हाई लेवल पिक्सल कैमरे की जानकारी रखने वाले प्रोफेशनल फोटोग्राफर की मांग बहुत अधिक है, इसलिए फोटोग्राफी को करियर के रूप में अपना कर अच्छी कमाई की जा सकती है। अगर आप भी फोटो लेने व सेल्फी लेने के शोकीन है और इस क्षेत्र मे अपना करियर बनाना चाहते है तो पूरी जानकारी विस्तार से बताई गई है।

शैक्षणिक योग्यता

फोटोग्राफर के क्षेत्र में जाने के लिए आपको इंटर की परीक्षा पास होना आवश्यक है, इसको डिग्री के रूप में प्राप्त करनें के लिए फाइन आर्ट्स विषय के अंतर्गत एक वैकल्पिक स्नातक उपाधि प्राप्त की जा सकती हैं, । कुछ कॉलेज इसे तीन वर्षीय स्नातक के रूप में करवाते है, और कुछ इसे पार्ट टाइम करवाते हैं।

प्रोफेशनल फोटोग्राफर की विशेष योग्यता

इस क्षेत्र में व्यक्ति को प्रत्येक क्षण होने वाली घटनाओं में क्या विशेष हैं, इसको खोजना आना चाहिए। व्यक्ति में कलात्मक, पारखी नज़र व टेक्निकल नॉलेज का होना भी आवश्यक है। एक सफल फोटोग्राफर बननें के लिए कड़ी मेहनत और संयम बहुत आवश्यक है। व्यक्ति में एक ही समय में क्लाइंट, एडवर्टाइज़र, पब्लिशिंग एजेंसी और डिज़ाइनर के साथ आसानी से डील करना आना चाहिए।

फोटोग्राफर के क्षेत्र

फोटो जर्नलिस्ट- अगर आपको साहसिक कार्य पसंद हैं और कार्य को करनें के लिए समय की परवाह नहीं करतें हैं, तो इस क्षेत्र में आप बिलकुल ही उपयुक्त हैं। फोटो जर्नलिस्ट को प्रेस में रोज़ाना होनें वाली घटनाओं और न्यूज़ से संबंधित फोटोग्राफ्स देने होते है।

फीचर फोटोग्राफर्स - फीचर फोटोग्राफर्स को फोटोग्राफ्स के माध्यम से कहानी को समझाना होता है, इसमे करियर बनाने के लिए आपको अपने विषय की गहरी जानकारी होनी चाहिए।

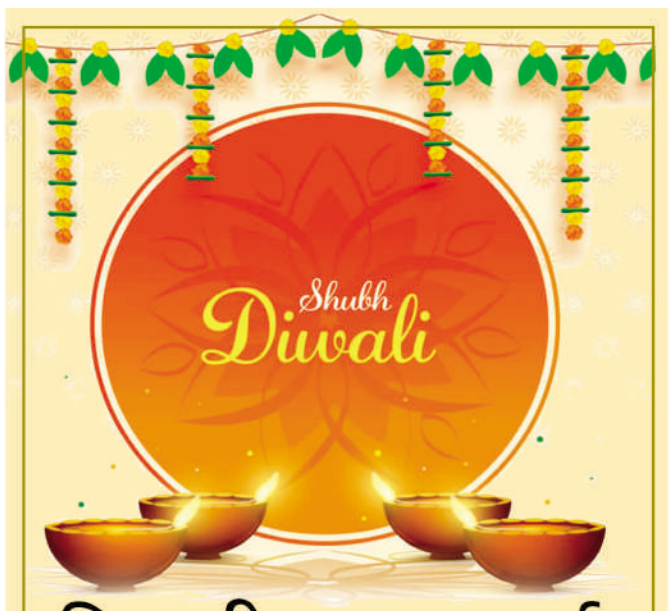
फैशन व एडवर्टाइज़िंग फोटोग्राफी - फैशन व एडवर्टाइज़िंग फोटोग्राफी के अंतर्गत फोटोग्राफर्स को फैशन हाउस, डिज़ाइनर्स या मॉडल्स के साथ काम करना होता है, इसकें लिए लेटेस्ट फैशन, ट्रेंड की जानकारी होनी आवश्यक हैं।

इवेंट फोटोग्राफी- इसमें फोटोग्राफर को शादी, स्पोर्ट्स, फैमिली फंक्शन में फोटोग्राफी करते हुए अच्छी इनकम के साथ इवेंट एन्जॉय करने का भी अवसर प्राप्त होता है।

वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफर्स - वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफर्स के अंतर्गत व्यक्ति को प्रकृति और वन्य जीवो के बीच में रहकर फोटोग्राफी करनी होती हैं, वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी एक रोमांचक करियर ऑप्शन है।

सैलरी

फोटोग्राफी के क्षेत्र में आप स्वयं का स्टूडियो खोल सकते हैं या किसी प्रोफेशनल फोटोग्राफर के साथ असिस्टेंट के रूप में कार्य कर सकते है। फ्रेशर के रूप में आपकी इनकम 5000 से 8000 रुपये के मध्य हो सकती है, अगर आप स्वयं का स्टूडियो खोल रहें है, तो आप 100,000 से 500,000 रु0 इन्वेस्ट करके 20000 से 35000 रु0 प्रतिमाह तक कमाई कर सकते है। जो की आपके काम और मेहनत पर निर्भर करता है।



दिवाली पूजा मुहूर्त

रविवार, 8 नवंबर को दीपावली का पर्व है। दिवाली हिंदू धर्म का सबसे बड़ा और प्रमुख त्योहार माना जाता है। हिंदू पंचांग के अनुसार, हर वर्ष कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि को देशभर में दिवाली का त्योहार बड़े ही उत्साह और धूमधाम के साथ मनाया जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भगवान श्रीराम 14 वर्ष का वनवास पूरा करके माता सीता और लक्ष्मण के साथ अयोध्या आए थे, जिसके स्वागत में अयोध्या के लोगों ने दीपक जलाकर स्वागत और खुशियां मनाई थीं। दिवाली के दिन माता लक्ष्मी, भगवान गणेश और कुबेर देवता ही पूजा करने विधान होता है। शास्त्रों के अनुसार, दिवाली के दिन माता लक्ष्मी की पूजा प्रदोष काल और निशिता काल में होती है। दिवाली की रात माता लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा करने से घर में सुख-समृद्धि, धन-वैभव और खुशहाली आती है। आइए जानते हैं दिवाली की तिथि और लक्ष्मी पूजन का शुभ मुहूर्त क्या रहेगा।

दिवाली तिथि 2026

द्रिक पंचांग के अनुसार, अमावस्या तिथि 08 नवंबर को सुबह करीब 11 बजकर 27 मिनट से शुरू होकर 9 नवंबर को दोपहर करीब 12 बजकर 31 मिनट तक रहेगी। इस दिन प्रदोष काल और अमावस्या तिथि व्याप्त रहेगी।
अमावस्या तिथि प्रारंभ - 08 नवंबर को सुबह 11:27 बजे
अमावस्या तिथि समाप्त -09 नवंबर को रात 12:31 बजे

लक्ष्मी पूजन का शुभ मुहूर्त क्या है?

द्रिक पंचांग के अनुसार, लक्ष्मी पूजन का शुभ मुहूर्त 08 नवंबर को शाम 5 बजकर 54 मिनट से शुरू होकर रात 7 बजकर 50 मिनट तक रहेगा। इस समय स्थिर लग्न वृषभ काल भी मौजूद रहेगा। जिसमें मां लक्ष्मी की पूजा करना बहुत ही शुभ और फलदायी रहेगा।
प्रदोष काल - शाम 05:31 से 08:09 बजे
वृषभ काल - शाम 05:54 से 07:50 बजे
निशिता काल- रात 11:39 से 12:31
सिंह लग्न - सुबह 12:25 से 02:42
गृहस्थों के लिए दिवाली की रात को प्रदोषकाल और स्थिर लग्न मुहूर्त में महालक्ष्मी पूजन सबसे सर्वश्रेष्ठ माना जाता है। वहीं निशिथ काल मुहूर्त तांत्रिक पूजा और काली पूजा के लिए सबसे उत्तम माना जाता है।



गृह सुंदरता, समृद्धि और दीपावली पूजन के शुभ प्रतीक

दीपावली के शुभ दिन महालक्ष्मी की पूजा का विधान है। इस पूजा के साथ ही घर और पूजा घर को सजाने के लिए मंगल वस्तुओं का उपयोग किया जाता है। आइए जानते हैं कि गृह सुंदरता, समृद्धि और दीपावली पूजन के कौन-से 8 शुभ प्रतीक हैं।

दीपक : दीपावली के पूजन में दीपक की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। सिर्फ मिट्टी के दीपक का ही महत्व है। इसमें पांच तत्व हैं मिट्टी, आकाश, जल, अग्नि और वायु। अतः प्रत्येक हिंदू अनुष्ठान में पंचतत्वों की उपस्थिति अनिवार्य होती है। कुछ लोग पारंपरिक दीपक की रोशनी को छोड़कर लाइट के दीपक या मोमबत्ती लगाते हैं जो कि उचित नहीं है।
रंगोली : उत्सव-पर्व तथा अनेकानेक मांगलिक अवसरों पर रंगोली या मांडने से घर-आंगन को खूबसूरती के साथ सजाया जाता है। यह सजावट ही समृद्धि के द्वार खोलती है। घर को साफ सुथरा करके आंगन व घर के बीच में और द्वार के सामने और रंगोली बनाई जाती है।
कौड़ी : पीली कौड़ी को देवी लक्ष्मी का प्रतीक माना जाता है। दीवापली के दिन चांदी और तांबे के सिक्के के साथ ही कौड़ी का पूजन भी महत्वपूर्ण माना गया है। पूजन के बाद एक-एक पीली कौड़ी को अलग-अलग लाल कपड़े में बांधकर घर में स्थित तिजोरी और जेब में रखने से धन समृद्धि बढ़ती है।
तांबे का सिक्का : तांबे में सात्विक लहरें उत्पन्न करने की क्षमता अन्य धातुओं की अपेक्षा अधिक होती है। कलश में उठती हुई लहरें वातावरण में प्रवेश कर जाती हैं। यदि कलश में तांबे के पैसे डालते हैं, तो इससे घर में शांति और समृद्धि के द्वार खुलेंगे। देखने में ये उपाय छोटे से जरूर लगते हैं लेकिन इनका असर जबरदस्त होता है।
मंगल कलश : भूमि पर कुंकू से अष्टदल कमल की आकृति बनाकर उस पर कलश रखा जाता है। एक कांस्य, ताम्र, रजत या स्वर्ण कलश में जल भरकर उसमें कुछ आम के पत्ते डालकर उसके मुख पर नारियल रखा होता है। कलश पर कुंकुम, स्वस्तिक का चिह्न बनाकर, उसके गले पर मौली (नाड़ा) बांधी जाती है।
श्रीयंत्र: धन और वैभव का प्रतीक लक्ष्मीजी का श्रीयंत्र। यह सर्वाधिक लोकप्रिय प्राचीन यंत्र है। श्रीयंत्र धनागम के लिए जरूरी है। श्रीयंत्र यश और धन की देवी लक्ष्मी को आकर्षित करने वाला शक्तिशाली यंत्र है। दीपावली के दिन इसकी पूजा होना चाहिए।
कमल और गेंदे के फूल : कमल और गेंदे के पुष्प को शांति, समृद्धि और मुक्ति का प्रतीक माना गया है। सभी देवी-देवताओं की पूजा के अलावा घर की सजावट के लिए भी गेंदे के फूल की आवश्यकता लगती है। घर की सुंदरता, शांति और समृद्धि के लिए यह बेहद जरूरी है।
नैवेद्य और मीठे पकवान : लक्ष्मीजी को नैवद्य में फल, मिठाई, मेवा और पेठे के अलावा धानी, बताशे, चिरौंजी, शक्करपारे, गुझिया आदि का भोग लगाया जाता है। नैवेद्य और मीठे पकवान हमारे जीवन में मिठास या मधुरता घोलते हैं।



दिवाली पर राज्यों की अलग-अलग परंपराएं

दिवाली के दिन घर की सफाई, नए कपड़े पहनना, मिठाइयां बनाना और दिये जलाना तो सभी राज्यों में होता है। लेकिन इसके साथ ही इन राज्यों के पारंपरिक स्वाद और रिवाजों में कुछ अंतर है।

बनारस-देव दीपावली

उत्तर भारत की तरह ही बनारस में दिवाली मनाई जाती है लेकिन इसके साथ ही यहां देवताओं की दिवाली भी मनाई जाती है, जो दिवाली के 15 दिन बाद आती है। इस दिन बनारस के सभी घाटों पर दिये जलाए जाते हैं और गंगा में दीपों को प्रवाहित किया जाता है। इसे देखने के लिए देश-विदेश से पर्यटक आते हैं और मेला लगता है।

हरियाणा-अहोई माता की दिवाली

हरियाणा में घर की दीवार पर अहोई माता की तस्वीर बनाने की परंपरा है, जिस पर घर के हर सदस्य का नाम लिखा जाता है। हर घर से चार दीपक चौराहे पर रखे जाते हैं, जिसे टोना कहते हैं। दिये की लौ से काजल बनाने की परंपरा है।

हिमाचल प्रदेश-बलि की परंपरा

हिमाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों में इस दिन ढोल-नगाड़ों के बीच पशुबलि देकर देवी-देवताओं की पूजा की जाती है। परंपरा के अनुसार, ग्रामीण पशुओं को मंदिर में ले जाते हैं, दिवाली की रात बलि दी जाती है और लोकगीत गाकर खुशियां मनाई जाती हैं। इसके बाद मांस को पकाकर प्रसाद के रूप में खाया जाता है।

छत्तीसगढ़-दिवाली नहीं दियारी

बस्तर के ग्रामीण इलाकों में दीपावली को उत्तर भारत की तरह नहीं मनाया जाता है। हालांकि यहां दिवाली की जगह दियारी मनाई जाती है। तीन दिन तक चलने वाले इस त्योहार में मुख्य रूप से मिट्टी और पशुधन की पूजा की जाती है। लोग खाने-पीने की कई चीजें बनाते हैं।

पंजाब-स्वर्ण मंदिर की दिवाली

सिख इसे अपने छठें गुरु हरगोबिंद साहब की जेल से रिहाई के रूप में मनाते हैं। माना जाता है कि 1619 में जहांगीर ने गुरु हरगोबिंद और 52 राजकुमारों को कैद कर रखा था। दिवाली के दिन ही इन सब की रिहाई हुई थी। इसकी खुशी में दीवाली के दिन लोग गुरुद्वारों में जा कर दिये जलाते हैं और अमृतसर का स्वर्ण मंदिर रोशनी में नहा रहां होता है।

महाराष्ट्र-उबटन लगाकर स्नान

महाराष्ट्र में दीपावली का पहला दिन वसु बरस कहा जाता है और गाय और बछड़े की पूजा की जाती है। धनतेरस के अगले दिन यानी नरक चतुर्दशी पर सूर्योदय से पहले उठकर उबटन और तेल लगाकर स्नान करने की परंपरा है। दिवाली के मौके पर करंजी, चकली, सेव जैसे पारंपरिक व्यंजन बनते हैं।

गुजरात-नया साल शुरू

गुजरात में दिवाली नए साल के रूप में भी मनाई जाती है। इस दिन संपत्ति की खरीद, कार्यालय खोलना, दुकान खोलना और विवाह संपन्न होना शुभ माना जाता है। उत्तर भारत की तरह ही यहां भी व्यापारी बहीखाते की पूजा करते हैं और नए साल पर नया बहीखाता शुरू किया जाता है। मोती पाक और मावा कचौड़ी जैसी पारंपरिक मिठाइयां बनाई जाती हैं।

तमिलनाडु-लड़की के घर मनाते हैं दिवाली

तमिलनाडु में दिवाली से जुड़ी एक अनोखा परंपरा है, जिसे थलाई दिवाली कहा जाता है। इसमें नवविवाहित जोड़े को दिवाली मनाने के लिए लड़की के घर जाना होता है, जहां उनका स्वागत किया जाता है। दोनों के परिवार जोड़े को तरह-तरह के तोहफे देते हैं।

दिवाली पर काली पूजा क्यों और कैसे करते हैं और क्या है इसका महत्व

भारत के अधिकतर राज्यों में दीपावली की अमावस्या पर देवी लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा करते हैं लेकिन पश्चिम बंगाल, उड़ीसा और असम में इस अवसर पर मां काली की पूजा होती है। यह पूजा अर्धरात्रि में की जाती है। आखिर काली पूजा क्यों और कैसी होती है। राक्षसों का वध करने के बाद भी जब महाकाली का क्रोध कम नहीं हुआ तब भगवान शिव स्वयं उनके चरणों में लेट गए। भगवान शिव के शरीर स्पर्श मात्र से ही देवी महाकाली का क्रोध समाप्त हो गया। इसी की याद में उनके शांत रूप लक्ष्मी की पूजा की शुरुआत हुई जबकि इसी रात इनके रौद्ररूप काली की पूजा का विधान भी कुछ राज्यों में है।

काली पूजा का महत्व क्या है?

दुष्टों और पापियों का संहार करने के लिए माता दुर्गा ने ही मां काली के रूप में अवतार लिया था। माना जाता है कि मां काली के पूजन से जीवन के सभी दुखों का अंत हो जाता है। शत्रुओं का नाश हो जाता है। कहा जाता है कि मां काली का पूजन करने से जन्मकुंडली में बैठे राहु और केतु भी शांत हो जाते हैं। अधिकतर जगह पर तंत्र साधना के लिए मां काली की उपासना की जाती है।

कैसे होती है काली पूजा?

- दो तरीके से मां काली की पूजा की जाती है, एक सामान्य और दूसरी तंत्र पूजा। सामान्य पूजा कोई भी कर सकता है।
- माता काली की सामान्य पूजा में विशेष रूप से 108 गुड़हल के फूल, 108 बेलपत्र एवं माला, 108 मिट्टी के दीपक और 108 दुर्वा चढ़ाने की परंपरा है। साथ ही मौसमी फल, मिठाई, खिचड़ी, खीर, तली हुई सब्जी तथा अन्य व्यंजनों का भी भोग माता को चढ़ाया जाता है। पूजा की इस विधि में सुबह से उपवास रखकर रात्रि में भोग, होम-हवन व पुष्पांजलि आदि का समावेश होता है।



दीपावली के बाद कैसे करें गोवर्धन पूजा, जानिए विधि

दीपावली के दूरे दिन शुक्ल प्रतिपदा को गोवर्धन पूजा की जाती है। इस दिन को अन्नकूट महोत्सव के नाम से भी जाना जाता है। आओ जानते हैं कि किस तरह की जाती है गोवर्धन पूजा।

गोवर्धन पूजा विधि

- इस दिन गोवर्धन पर्वत, गाय, बैल, भैंस, भगवान विश्वकर्मा और श्रीकृष्ण की पूजा की जाती है। यह पूजा सुबह और शाम को की जाती है।
- घर के सामने गोबर से गोवर्धन पर्वत की आकृति बनाकर उसे फूलों से सजाया जाता है। गोवर्धन के मध्य में एक मिट्टी के दीपक में दूध, दही, गंगाजल, शहद, बताशे आदि पूजा करते समय डाल दिए जाते हैं और बाद में प्रसाद के रूप में वितरित कर दिए जाते हैं।
- पूजन के दौरान गोवर्धन पर धूप, दीप, नैवेद्य, जल, फल आदि चढ़ाए जाते हैं।
- इसी दिन गाय, बैल, भैंस आदि कृषि कार्य में काम आने वाले पशुओं को सजाकर उनकी पूजा की जाती है। इस मौके पर सभी कारखानों और उद्योगों में मशीनों की पूजा भी होती है।
- पूजा के बाद गोवर्धन के जयकारे के साथ गोवर्धन की 7 परिक्रमाएं लगाते हैं। परिक्रमा के वक्त हाथ में लोटे से जल गिराते हुए और जौ बोते हुए परिक्रमा पूरी की जाती है। इस दिन गोबर से गोवर्धन की आकृति बनाकर उसके समीप विराजमान कृष्ण के सम्मुख गाय तथा ग्वाल-बालों की रोली, चावल, फूल, जल, मौली, दही तथा तेल का दीपक जलाकर पूजा और परिक्रमा की जाती है।
- इसे अन्नकूट महोत्सव इसलिए कहते हैं क्योंकि इस दिन श्रीकृष्णजी को छप्पन भोग लगाए जाते हैं।
- ग्रामीण क्षेत्र में अन्नकूट महोत्सव इसलिए मनाया जाता है, क्योंकि इस दिन नए अनाज की शुरुआत भगवान को भोग लगाकर की जाती है। इस दिन गाय-बैल आदि पशुओं को स्नान कराके धूप-चंदन तथा फूल माला पहनाकर उनका पूजन किया जाता है और गौमाता को मिठाई खिलाकर उसकी आरती उतारते हैं तथा प्रदक्षिणा भी करते हैं।

दिवाली पर अमावस्या की रात को करें ये उपाय

कार्तिक मास की अमावस्या को दिवाली अमावस्या कहते हैं। कहते हैं कि इस दिन रात सबसे घनी होती है। मतलब यह कि यह अमावस्या अन्य अमावस्याओं की अपेक्षा अधिक घनेरी होती है। इसीलिए इस अमावस्या के समय दीपोत्सव मनाया जाता है।

- मूल रूप से यह अमावस्या माता कालीका से जुड़ी हुई है इसीलिए उनकी पूजा का भी महत्व है। इस दिन लक्ष्मी पूजा का महत्व भी है। कहते हैं कि दोनों ही देवियों का इसी दिन जन्म हुआ था।
- दीपावली पर महालक्ष्मी के पूजन में सात मुखी दीप जलाएं और माता से समक्ष पीली कौड़ियां रखें। इससे लक्ष्मी माता प्रसन्न होंगी और धन के मार्ग खुलेंगे।
- शाम के समय घर के ईशान कोण में गाय के घी का दीपक लगाएं। बत्ती में रूई के स्थान पर लाल रंग के धागे का उपयोग करें। साथ ही दीये में थोड़ी-सी केसर भी डाल दें। यह मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने का अचूक उपाय है।
- अमावस्या वाली रात्रि को 5 लाल फूल और 5 जलते हुए दीये बहती नदी के पानी में छोड़ें। इस उपाय से धन का लाभ प्राप्त होने के प्रबल योग बनेंगे।
- दिवाली की रात पीपल के पत्ते पर दीप जलाकर जल में प्रवाहित करें।
- धनलाभ और वैभव के लिए दिवाली की शाम को किसी बरगद के पेड़ की जटा में एक गांठ लगाएं।
- गन्ने की जड़ को लाल वस्त्र में लपेटकर सिंदूर और लाल चंदन लगाकर तिजोरी या धन रखने के स्थान में रख दें।
- लक्ष्मी पूजन के समय गोमती चक्र को पूजा की थाली में रखकर मां की पूजा करें।
- दिवाली में किसी भी मंदिर में झाड़ू का दान करें।
- काली हल्दी को लाल कपड़े में बांधकर देवी लक्ष्मी को अर्पित करें और फिर उसको तिजोरी में रख दें। इसी तरह स्फटिक का श्रीयंत्र लाल कपड़े में लपेटकर अपनी तिजोरी में रख दें।





पुष्कर, जयपुर और जैसलमेर की दिवाली होती है विशेष

वैसे तो दिवाली का पर्व हर शहर में अपने तरीके से मनाया जाता है। पूरे देश ही दीपों और लाइट से जगमग जगमग हो उठता है। आसमान से देखने पर भारत का शानदार नजारा दिखाई देता है। करोड़ों दीयों से आसमान भी रोशन हो जाता है। कहते हैं कि राजस्थान के पुष्कर, जयपुर और जैसलमेल में तो दिवाली बहुत ही शानदार तरीके से और अलग ही अंदाज में मनाई जाती है।

पुष्कर की दिवाली

पुष्कर में कई देशी और विदेशी पर्यटक आते जाते रहते हैं। इसलिए यहां पर दिपावली का उत्सव अलग ही अंदाज में मनाया जाता है। यहां की दिवाली देशभर में प्रसिद्ध है। पूरे शहर के दीपों से सजाया जाता है। पुष्कर झील के आसपास दिवाली के दीये जब जलाए जाते हैं तो पूरा क्षेत्र ऐसा नजर आता है जैसे झील में सूर्य उतर आया हो। यहां पर दिवाली पर 5 दिनों का भव्य उत्सव, ऊंट मेला और समारोह होता है जिसे देखने के लिए देश और विदेश से लोग आते हैं।

जयपुर की दिवाली

पिंक सिटी यानी गुलाबी शहर के नाम से विश?वभर में प्रसिद्ध यह नगर दीपकों की ज्योति से जब नहाता है तो पूरा शहर पिंक की बजाया सुनहरा नजर आता है। यहां पर हवा महल की जगमग रोशनी देखते ही बनती है। जयपुर के बाजार भी किसी दुल्हन की तरह सज जाते हैं जहां पर पर्यटकों की भीड़ उमड़ पड़ती है।

जैसलमेर

जैसलमेर में सुनहरी रेत का रेगिस्तान दीयों की रोशनी में जब नहाता है तो उसे देखना अचरज भरा होता है। यहां पर जैसलमेर के किले को बहुत ही सुंदर तरीके से सजाया जाता है। पूरा जैसलमेर मिट्टी के लाखों दीयों, फूल और लाइट्स से जब जगमगाता है तो यह नजारा अद्भुत होता है। इसी के साथ यहां के सांस्कृतिक कार्यक्रम और लोकनृत्य दिवाली के उत्सव में चार चांद लगा देते हैं।

दीपावली के पूर्व जरूर कर लें ये कार्य

दीवाली के पूर्व या दीवाली के दिन यूं तो कई तरह के कार्य किए जाते हैं। परंतु दीवावली के पूर्व ये 5 कार्य जरूर करना चाहिए जिससे माता लक्ष्मी जब आपके घर आए तो इसे देखकर वह प्रसन्न हो जाए। आओ जानते हैं कि क्या है वह कार्य। दीवाली का त्योहार प्रतिवर्ष कार्तिक मास की अमावस्या को मनाया जाता है। अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार इस बार यह पर्व 12 नवंबर 2023 को मनाया जाएगा।

- **लिपाई-पुताई** : वर्षा के कारण गंदगी होने के बाद संपूर्ण घर की सफाई और लिपाई-पुताई करना जरूरी होता है। मान्यता के अनुसार जहां ज्यादा साफ-सफाई और साफ-सुथरे लोग नजर आते हैं, वहीं लक्ष्मी निवास करती हैं।
- **वंदनवार** : आम या पीपल के नए कोमल पत्तों की माला को वंदनवार कहा जाता है। इसे अकसर दीपावली के दिन द्वार पर बांधा जाता है। वंदनवार इस बात का प्रतीक है कि देवगण इन पत्तों की भीनी-भीनी सुगंध से आकर्षित होकर घर में प्रवेश करते हैं।
- **सुंदर बनाएं देहरी** : दीपावली पर द्वार और देहलीज या देहरी का खासा महत्व रहता है। यदि आपकी देहरी टूटी-फूटी या खंडित हो तो उसे ठीक करवा कर उसे मजबूत और सुंदर बना लें। कोई भी व्यक्ति हमारे घर में प्रवेश करे तो दहलीज लांघकर ही आ पाए। सीधे घर में प्रवेश न करें।
- **रंगोली** : रंगोली या मांडना को 'चौंसठ कलाओं' में स्थान प्राप्त है। उत्सव-पर्व तथा अनेकानेक मांगलिक अवसरों पर रंगोली से घर-आंगन को खूबसूरती के साथ अलंकृत किया जाता है। इससे घर-परिवार में मंगल रहता है।
- **दीपक** : पारंपरिक दीपक मिट्टी का ही होता है। इसमें 5 तत्व हैं- मिट्टी, आकाश, जल, अग्नि और वायु। हिन्दू अनुष्ठान में पंच तत्वों की उपस्थिति अनिवार्य होती है। धनतेरस से ही आप दीयों से घर को जगमगा दें। माता लक्ष्मी इसे देखकर प्रसन्न हो जाएंगी।



दीपावली पर इन जगहों पर रखना ना भूलें दीप

दीपों का उत्सव आरंभ होते ही घर-घर में दीप झिलमिलाने लगते हैं। क्या आप जानते हैं कि दीपक कहां-कहां लगाया जाना आवश्यक होता है? आइए पढ़ें

- सबसे पहले घर के मंदिर में जहां लक्ष्मी का मुख्य पूजन करें वहां अखंड दीपक जरूर लगाएं। ध्यान रखें कि यह दीपक रातभर बुझना नहीं चाहिए।
- धन की कामना पूरी हो, इसके लिए मुख्य दरवाजे के बाहर दोनों तरफ दीपक अवश्य लगाएं।
- एक दीपक वहां लगाएं जहां पीने के पानी रखा जाता है।
- घर के तुलसी चौरे में दीपक लगाएं। यहां दीपावली के अलावा भी हर दिन दीपक लगाना चाहिए।
- पीपल के पेड़ के नीचे दीपक लगाएं। मगर, ध्यान रखें कि दिया लगाने के बाद उसे पीछे मुड़कर देखना नहीं है। यह उपाय दिवाली वाली रात में करना है।
- घर के आस-पास किसी चौराहे पर दिवाली की रात में दिया जरूर जलाएं। इससे भी पैसों से जुड़ी समस्याएं खत्म हो जाती हैं।
- घर के आस-पास स्थित मंदिर में भी एक दिया लगाएं। इससे सभी देवी-देवताओं की कृपा मिलती है और क्लेशों से मुक्ति व मानसिक शांति मिलती है।
- बेलपत्र के पेड़ के नीचे दिया लगाने से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं। उनकी कृपा से आर्थिक के अलावा व्यक्ति के जीवन में आने वाली अन्य तरह की परेशानियां दूर होती हैं।
- यदि भूत-प्रेत संबंधी परेशानी आ रही हो, तो पितरों के निमित्त श्मशान में एक दीपक जरूर लगाएं।
- अपने घर की मुंडेर, दहलीज, खिड़की, बाथरूम, छत पर, दरवाजे, पर दीपक लगाने के साथ ही एक दीपक पड़ोसी के घर में भी शुभ शगुन का रखना चाहिए।

'सफेद जर्सी से विदा, यादों से नहीं..'

शमी ने टेस्ट को कहा अलविदा



एजेंसी, नई दिल्ली।

भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने का एलान किया है। शमी ने सोशल मीडिया पर एक भावुक संदेश साझा कर अपने टेस्ट करियर को अलविदा कहा। उन्होंने कहा कि सफेद जर्सी से विदा जरूर ले रहे हैं, लेकिन उससे जुड़ी यादों से कभी नहीं। शमी ने अपने टेस्ट करियर को जिंदगी का बेहद खास हिस्सा बताया और इस सफर में साथ देने वाले सभी लोगों का आभार जताया। हालांकि, वह व्हाइट बॉल क्रिकेट यानी वनडे और टी20 खेलना जारी रखेंगे।

64 टेस्ट में 229 विकेट, छह बार झटके पांच या उससे ज्यादा विकेट

36 वर्षीय शमी ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट साझा कर अपने टेस्ट करियर पर विराम लगाया। नई और पुरानी दोनों गेंदों से स्विंग और सीम मूवमेंट हासिल करने की क्षमता के लिए पहचाने जाने वाले शमी ने भारत के लिए 64 टेस्ट मैचों में 229 विकेट लिए। इस दौरान उन्होंने छह बार एक पारी में पांच या उससे ज्यादा विकेट लेने का कारनामा किया।

'सफेद जर्सी से विदा ले रहा हूं, लेकिन यादों से कभी नहीं'

शमी ने अपने संदेश में लिखा, 'मैं सफेद जर्सी से विदा ले रहा हूं, लेकिन उससे जुड़ी यादों से कभी नहीं। जब पहली बार भारत की टेस्ट जर्सी पहनी थी, तब सिर्फ एक सपना था- अपने देश के लिए कुछ करके दिखाना।' उन्होंने आगे कहा, 'उसके बाद हर विकेट, हर संघर्ष, हर चोट और हर वापसी ने मुझे कुछ न कुछ सिखाया। टेस्ट क्रिकेट मेरे लिए सिर्फ एक प्रारूप नहीं, बल्कि मेरी जिंदगी का बेहद खास हिस्सा रहा है।'

टीम के साथियों और करोड़ों भारतीयों का जताया आभार

शमी ने अपने टेस्ट करियर के दौरान साथ देने वाले साथियों, कोच, परिवार और प्रशंसकों का भी शुक्रिया अदा किया। उन्होंने लिखा, 'आज भारी दिल और अनगिनत खूबसूरत यादों के साथ मैं टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला कर रहा हूं। इस सफर में मेरा साथ देने वाली हर टीम, कोच, परिवार और उन करोड़ों भारतीयों का दिल से शुक्रिया, जिन्होंने अच्छे और मुश्किल दोनों वक्त में मुझ पर भरोसा बनाए रखा।'

बीसीसीआई और बंगाल क्रिकेट संघ को भी कहा धन्यवाद

भारतीय तेज गेंदबाज ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल (सीएबी) का भी विशेष रूप से आभार जताया। उन्होंने कहा कि इन दोनों संस्थाओं ने उनकी प्रतिभा पर भरोसा किया, उन्हें आगे बढ़ने के मौके दिए और उनके क्रिकेट सफर में अहम भूमिका निभाई। शमी ने लिखा, 'आपका साथ और विश्वास मेरे लिए हमेशा खास रहेगा।'

'देश के लिए खेलने का गर्व हमेशा रहेगा'

शमी ने अपने संदेश का अंत बेहद भावुक अंदाज में किया। उन्होंने कहा कि भले ही मैदान पर उनकी आखिरी टेस्ट गेंद फेंकी जा चुकी हो, लेकिन भारत के लिए खेलने का गर्व हमेशा उनके दिल में जिंदा रहेगा। उन्होंने लिखा, 'मैदान पर मेरी आखिरी टेस्ट गेंद भले ही फेंकी जा चुकी हो, लेकिन भारत के लिए खेलने का गर्व हमेशा मेरे दिल में जिंदा रहेगा। शुक्रिया, टेस्ट क्रिकेट।'

2013 में किया था टेस्ट डेब्यू, जल्द बने टीम की अहम कड़ी

शमी ने 2013 में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू किया था। इसके बाद उन्होंने जल्द ही भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण में अपनी जगह पक्की कर ली। मुश्किल परिस्थितियों में गेंदबाजी करने की उनकी क्षमता ने उन्हें विदेशी दौरों पर भी टीम के लिए बेहद अहम बना दिया। भारत, दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज में खेले गए 35 टेस्ट मैचों में शमी ने 131 विकेट हासिल किए। इन मुकाबलों में उनका गेंदबाजी औसत 25 से कम रहा।

दक्षिण अफ्रीका में दिखाया गेंदबाजी का दम

दक्षिण अफ्रीका उन जगहों में शामिल रहा, जहां शमी ने अपने करियर के कुछ यादगार प्रदर्शन किए। 2018 में भारतीय टीम के दक्षिण अफ्रीका दौरे पर उन्होंने जोहानिसबर्ग टेस्ट की दूसरी पारी में 28 रन देकर पांच विकेट झटके थे। उनके इस प्रदर्शन की मदद से भारत ने मुकाबला जीता था। अगले दौरे पर भी शमी का शानदार प्रदर्शन जारी रहा। सेंचुरियन में खेले गए पहले टेस्ट में उन्होंने आठ विकेट हासिल किए। भारत ने इस मुकाबले में एक और यादगार जीत दर्ज की थी।

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल था आखिरी टेस्ट

शमी ने अपना आखिरी टेस्ट मुकाबला 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में खेला था। उनके करियर के अलग-अलग चरणों में चोटों ने बाधा पहुंचाई, लेकिन गेंद से उनका योगदान भारतीय टीम की सफलताओं का अहम हिस्सा बना रहा।

'और क्या चाहिए खिलाड़ी से?': शमी को टेस्ट में मौका नहीं मिलने पर भड़के रवि शास्त्री, चयनकर्ताओं पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। मोहम्मद शमी के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के फैसले के बाद पूर्व भारतीय मुख्य कोच रवि शास्त्री ने चयनकर्ताओं पर सवाल उठाए हैं। शमी ने शुक्रवार देर रात टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया। वह तीन साल से ज्यादा समय से भारतीय टेस्ट टीम से बाहर थे। हालांकि, वह वनडे और टी20 क्रिकेट खेलना जारी रखेंगे। शास्त्री का मानना है कि शमी में अभी भी टेस्ट क्रिकेट में 30 से 40 विकेट लेने की क्षमता थी। उन्होंने कहा कि अनुभवी तेज गेंदबाज को पिछले 12 महीनों में कम से कम एक मौका जरूर मिलना चाहिए था।

'शमी में अभी 30-40 विकेट लेने की क्षमता थी'

भारत और न्यूजीलैंड के बीच दूसरे वनडे से पहले शास्त्री ने शमी के संन्यास पर निराशा जाहिर की। उन्होंने कहा कि देश के लिए शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी को इस तरह विदाई लेते देखना दुखद है। शास्त्री ने कहा, 'यह दुखद है कि जिस खिलाड़ी ने देश के लिए इतना अच्छा प्रदर्शन किया, उसे इस तरह जाना पड़ रहा है। मुझे निश्चित रूप से लगता था कि उनमें अभी 30-40 विकेट लेने की क्षमता थी। उन्हें पिछले 12 महीनों में खेलना चाहिए था और शायद टेस्ट गेंदबाज के तौर पर टीम में जगह मिलनी चाहिए थी।'

जिम में फिट होने का क्या फायदा, अगर 10-12 ओवर नहीं डाल सकते?

शास्त्री ने खिलाड़ियों की फिटनेस परखने के तरीके पर भी सवाल उठाए। उनका मानना है कि जिम में फिटनेस साबित करने से ज्यादा जरूरी मैदान पर मैच की परिस्थितियों में गेंदबाजी करने की क्षमता है। उन्होंने शमी को एक ऐसा गेंदबाज बताया, जो लगातार लंबे स्पेल डालने में सक्षम है। शास्त्री ने कहा, 'अगर आप मैच में 10 या 12 ओवर गेंदबाजी नहीं कर सकते तो जिम में फिट होने का क्या फायदा है? आपके पास ऐसा खिलाड़ी है जो लगातार गेंदबाजी कर सकता है। इसलिए मैं थोड़ा निराश हूं कि उसे एक और मौका नहीं मिला।

बंगाल के लिए लगातार गेंदबाजी कर रहे थे शमी

शमी की फिटनेस को लेकर उठने वाले सवालों पर भी शास्त्री ने असहमति जताई। उन्होंने बंगाल के लिए घरेलू क्रिकेट में शमी के प्रदर्शन का हवाला दिया। शास्त्री के मुताबिक, तेज गेंदबाज लगातार मैच खेल रहे थे और एक मैच में 15 से 20 ओवर तक गेंदबाजी कर रहे थे। उन्होंने कहा, 'मैंने उनकी फिटनेस को लेकर कई मीडिया रिपोर्ट्स देखी हैं, लेकिन वह बंगाल के लिए हर मैच खेल रहे थे। वह 15-20 ओवर गेंदबाजी कर रहे थे। अपनी फिटनेस साबित करने के लिए एक खिलाड़ी और क्या करे?' शास्त्री ने आगे कहा कि अगर शमी अच्छी फॉर्म में रहते हैं और आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो किसी वरिष्ठ गेंदबाज के चोटिल होने की स्थिति में टीम को उनके अनुभव की जरूरत पड़ सकती है। उन्होंने कहा, 'अगर आपका कोई अनुभवी गेंदबाज अचानक चोटिल हो जाता है तो आप अनुभव की तलाश करेंगे। लेकिन आपके पास शमी जैसा खिलाड़ी मौजूद है।'

आईपीएल 2027: नीलामी से पहले बड़ा बदलाव, हार्दिक पांड्या पंजाब किंग्स में शामिल, अर्शदीप की मुंबई में एंट्री!

एजेंसी, नई दिल्ली।

आईपीएल के आगामी सीजन से पहले एक बड़े ट्रेड की खबर सामने आई है। स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या पंजाब किंग्स में शामिल हो गए हैं, जबकि तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह मुंबई इंडियंस का हिस्सा बन गए हैं। दोनों फ्रेंचाइजी के बीच खिलाड़ियों की अदला-बदली पर सहमति बन गई है। आईपीएल नीलामी से पहले इस ट्रेड को पूरा कर लिया गया है।

हार्दिक पंजाब में पहुंचे, मुंबई में हुई अर्शदीप की एंट्री

समाचार एजेंसी पीटीआई ने बताया कि आईपीएल से जुड़े एक सूत्र ने इस ट्रेड की पुष्टि की है। सूत्र के मुताबिक, हार्दिक पांड्या पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर की अगुआई में खेलने को लेकर खुश हैं। माना जा रहा है कि श्रेयस आगामी सीजन में भी टीम की कप्तानी जारी रखेंगे। सूत्र ने बताया कि हार्दिक को टीम में शामिल करने का फैसला पंजाब किंग्स के कप्तान और कोच ने मिलकर लिया है। वहीं, अर्शदीप सिंह लंबे समय से पंजाब की टीम का हिस्सा रहे हैं और फ्रेंचाइजी के साथ रहते हुए उन्होंने अपनी पहचान बनाई है। उनके शानदार प्रदर्शन को देखते हुए मालिकों के लिए उन्हें रिलीज करने का फैसला आसान नहीं था। हालांकि, कप्तान और कोच ने इस ट्रेड को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया।

मुंबई इंडियंस के साथ हार्दिक का दूसरा कार्यकाल खत्म

हार्दिक पांड्या का मुंबई इंडियंस के साथ दूसरा कार्यकाल भी समाप्त हो गया है। वह 2024 सीजन से पहले गुजरात टाइटंस को छोड़कर मुंबई इंडियंस में लौटे थे। फ्रेंचाइजी ने उन्हें कप्तानी की जिम्मेदारी सौंपी थी और लंबे समय तक टीम की कमान संभालने वाले रोहित शर्मा की जगह हार्दिक को कप्तान बनाया गया था।

हालांकि, हार्दिक की कप्तानी में मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। पांच बार की चैंपियन टीम पिछले तीन सीजन में से दो बार प्लेऑफ में जगह बनाने में नाकाम रही। अब हार्दिक पांड्या पंजाब किंग्स के लिए खेलते नजर आएंगे, जबकि अर्शदीप सिंह मुंबई इंडियंस की तेज गेंदबाजी को मजबूती देंगे। आईपीएल नीलामी से पहले हुए इस बड़े ट्रेड ने आगामी सीजन को लेकर चर्चाएं तेज कर दी हैं। 17 नवंबर तक बढ़ाई गई रिटेंशन की समयसीमा हार्दिक पांड्या और अर्शदीप सिंह के ट्रेड के बीच बीसीसीआई ने खिलाड़ियों को रिटेन करने की आखिरी तारीख भी बढ़ाकर 17 नवंबर कर दी है। इससे दोनों फ्रेंचाइजी को आगामी मिनी नीलामी से पहले ट्रेड से जुड़ी जरूरी औपचारिकताएं पूरी करने के लिए पर्याप्त समय मिल जाएगा। आईपीएल 2027 की मिनी नीलामी 16 दिसंबर को गोवा में आयोजित किया जाना है।



दूसरा वनडे: बारिश से प्रभावित 'लो स्कोरिंग' मुकाबले में रोमांचक खेल, भारत को मिली जीत

एजेंसी, वेलिंगटन।

भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ बारिश से प्रभावित वनडे सीरीज के दूसरे मुकाबले को 'डकवर्थ लुईस नियम' के आधार पर 4 रन से जीत लिया है। हेनरी स्टेडियम में इस जीत के साथ टीम इंडिया ने पांच मुकाबलों की सीरीज में 2-0 से बढ़त हासिल कर ली है। बारिश और गीले मैदान की वजह से मुकाबला देरी से शुरू हुआ, जिसे घटाकर 47-47 ओवरों का कर दिया गया। टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी न्यूजीलैंड की टीम 41 ओवरों में महज 134 रन पर सिमट गई। इस टीम ने 1.5 ओवर में टिम सेफर्ट (0) के रूप में अपना पहला विकेट गंवा दिया, उस समय तक मेजबानों का खाता भी नहीं खुल सका था। यहां से हेनरी निकोल्स (11) ने विल यंग (6) के साथ 11 रन और डेरिल मिचेल के साथ 12 रन की साझेदारी करते हुए टीम को किसी तरह 23 के स्कोर तक पहुंचाया। इसके बाद डेरिल मिचेल ने मोर्चा संभाला। उन्होंने टॉम लैथम (7) के साथ चौथे विकेट के लिए 30 रन, जबकि कप्तान मिचेल सेंटनर के



साथ छठे विकेट के लिए 59 रन की साझेदारी करते हुए कीवी टीम को शतक के पार पहुंचा दिया। सेंटनर 38 गेंदों में 3 बाउंड्री के साथ 31 रन बनाकर आउट हुए, जबकि मिचेल ने 104 गेंदों में 2 छक्कों और 5 चौकों के साथ 55 रन की पारी खेली।

भारत की तरफ से गुरनूर बरार ने 10 ओवरों में 30 रन देकर 4 विकेट हासिल किए। इनके अलावा, आकिब नबी, अंशुल कंबोज और अक्षर पटेल को 2-2 विकेट हाथ लगे।

इसके जवाब में भारतीय टीम ने महज 4 के स्कोर पर कप्तान शुभमन गिल (0) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद विराट कोहली मैदान पर उतरे, लेकिन रोहित शर्मा के साथ दूसरे विकेट के लिए सिर्फ 13 रन जुटा सके। भारतीय टीम ने 17 के स्कोर पर दूसरा विकेट गंवा दिया। यहां से रोहित ने श्रेयस अय्यर के साथ तीसरे विकेट के लिए 22 रन की साझेदारी की, लेकिन रोहित (23) के आउट होने के बाद अक्षर पटेल (7) भी ज्यादा देर तक क्रीज पर टिक नहीं सके और भारत ने 47 के स्कोर तक चौथा विकेट भी खो दिया।

इसके बाद केएल राहुल (नाबाद 26) ने मोर्चा संभाला। उन्होंने श्रेयस अय्यर (30) के साथ पांचवें विकेट के लिए 43 गेंदों में 39 रन की साझेदारी की, जबकि नमन धीर (12) के साथ छठे विकेट के लिए 22 रन जुटाए। भारतीय टीम ने 108 के स्कोर पर अपना छठा विकेट गंवाया। मेहमान खेमे में अभी 3 ही रन जुड़ सके थे कि अंशुल कंबोज (1) भी विकेट खो बैठे, जिसके बाद मैच रोमांचक हो गया था। टीम इंडिया ने 26 ओवरों में 7 विकेट गंवाकर 113 रन बना लिए थे, तभी मैच ने खलल डाल दिया।

बारिश रुकने का काफी देर इंतजार किया गया, लेकिन आखिरकार भारत को 'डकवर्थ लुईस नियम' के आधार पर विजेता घोषित कर दिया गया। मेजबान खेमे से काइल जेमीसन और जैकब डफी को 3-3 सफलताएं हाथ लगीं, जबकि मैथ्यू फिशर ने 1 विकेट चटकाया।









